

Springb  **ard**
ACADEMY

AN INSTITUTE FOR IAS & RAS

RAS PRELIMS

2024 - 2025

विश्व का भूगोल

प्रारम्भिक परीक्षा



MUKESH SIR

पाठ्यक्रम

☑ प्रमुख स्थलाकृतियाँ –

- पर्वत
- पठार
- मैदान
- मरुस्थल

☑ प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

☑ कृषि के प्रकार

☑ प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	1
2.	उत्तरी अमेरिका महाद्वीप	2-15
3.	दक्षिण अमेरिका महाद्वीप	16-21
4.	अफ्रीका महाद्वीप	22-30
5.	यूरोप महाद्वीप	31-39
6.	एशिया महाद्वीप	40-49
7.	ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप	50-52
8.	अंटार्कटिक महाद्वीप	53
9.	कृषि के प्रकार	54-58

महाद्वीपीय भूगोल

क्षेत्रफल के अनुसार

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. उत्तरी अमेरिका
4. दक्षिणी अमेरिका
5. अंटार्कटिका
6. यूरोप
7. ऑस्ट्रेलिया

जनसंख्या के अनुसार

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. यूरोप
4. उत्तरी अमेरिका
5. दक्षिणी अमेरिका
6. ऑस्ट्रेलिया
7. अंटार्कटिका

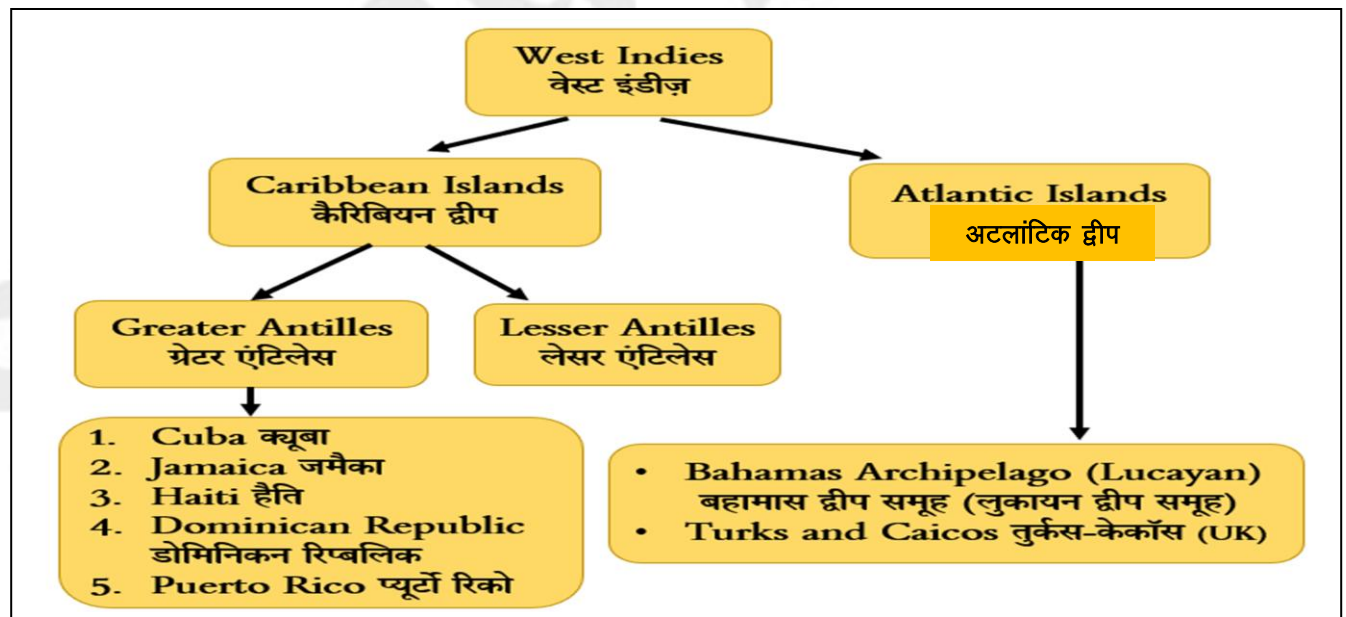


उत्तरी अमेरिका महाद्वीप

Political Division of North America (23 Countries)

उत्तरी अमेरिका के राजनैतिक भाग:-

1. ग्रीनलैण्ड Greenland (largest)
2. कनाडा Canada
3. स.रा. अमेरिका USA
4. मेक्सिको Mexico
5. मध्यवर्ती अमेरिका Central America (बेलीज़, ग्वाटेमाला, हॉन्डुरास, एल साल्वाडोर, निकारागुआ, कोस्टा रिका, पनामा)
6. वेस्ट इंडीज (कैरीबियन द्वीप तथा अटलांटिक द्वीप) West Indies (Caribbean islands and Atlantic islands)

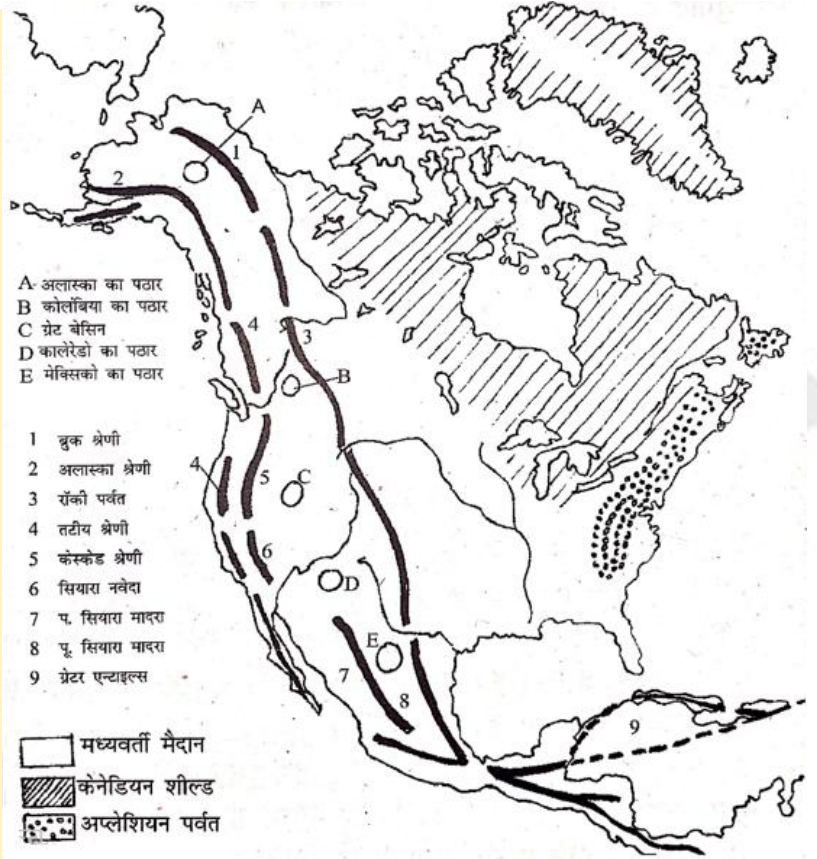


☑ उत्तरी अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश –

Physiographic Divisions of North America

उत्तरी अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

1. पश्चिमी कॉर्डिलेरा प्रदेश
Western Cordillera Region
2. केनेडियन शील्ड प्रदेश
Canadian Shield Region
3. अप्लेशियन पर्वतीय प्रदेश
Appalachian Mt. Region
4. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश
Central Plain Region

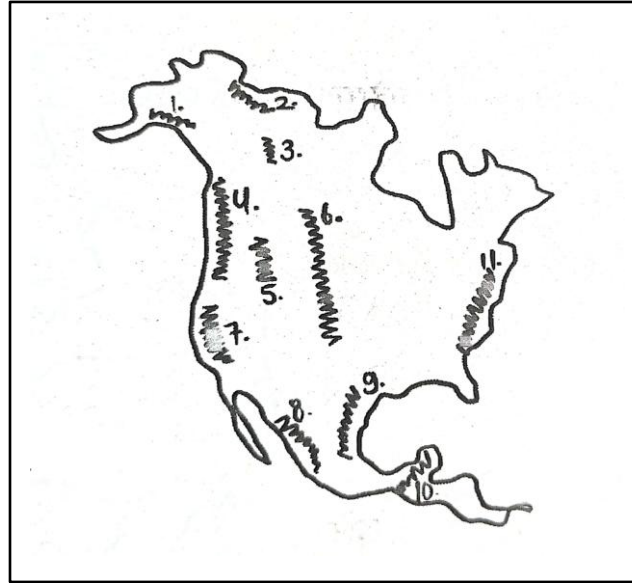


1. पश्चिमी कॉर्डिलेरा प्रदेश –

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिम में स्थित पर्वत श्रेणियों का समूह।
- निर्माण = उत्तरी अमेरिका व प्रशांत महासागरीय प्लेटों के अभिसरण से हुआ।
- नवीन वलित पर्वत श्रेणियाँ स्थित हैं, जैसे – अलास्का, रॉकी पर्वत
- पर्वत श्रेणियों में उत्तरी अमेरिका की प्रमुख नदियों का उद्गम जैसे – कोलंबिया, कोलोराडो।
- पर्वत श्रेणियों के बीच अंतः पर्वतीय पठार स्थित हैं जैसे – ग्रेट बेसिन पठार।
- श्रेणियों के बीच कई ज्वालामुखी चोटियाँ भी स्थित हैं जैसे – हुड, रेनियर, शास्ता।
- वनस्पति, जैव विविधता, पर्यटन तथा खनिजों की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र।

☑ उत्तरी अमेरिका के पर्वत –

1. अलास्का श्रेणी
2. ब्रुक्स
3. मैकेंजी
4. प्रशान्त तटीय श्रेणी
5. कैस्केड
6. रॉकी पर्वत
7. सिएरा नेवादा
8. सिएरा माद्रे ऑक्सीडेन्टल
9. सिएरा माद्रे ऑरिएन्टल
10. ट्रांस मैक्सिकन ज्वालामुखी पेट्टी
11. अप्लेशियन पर्वत



★ अलास्का श्रेणी –

- संयुक्त राज्य अमेरिका के अलास्का में स्थित नवीन वलित पर्वत श्रेणी।
- उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी = माउंट मैकिनले (6,194 मी.)
(नया नाम = देनाली)
- मैकिनले राष्ट्रीय उद्यान स्थित।

★ प्रशान्त तटीय श्रेणियाँ – श्रेणियाँ

- सेंट इलियास श्रेणी = लोगान (कनाडा की सर्वोच्च चोटी)
(उत्तरी अमेरिका की दूसरी सर्वोच्च चोटी)
- कैस्केड श्रेणी = हुड, रेनियर, शास्ता।

सर्वोच्च चोटियाँ

★ रॉकी पर्वत –

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिम में स्थित नवीन वलित पर्वत।
- ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा) से न्यू मैक्सिको (संयुक्त राज्य अमेरिका) तक विस्तृत।
- विश्व की दूसरी सबसे लम्बी श्रेणी।
- सर्वोच्च चोटी = माउंट एल्वर्ट (4,399 मीटर, संयुक्त राज्य अमेरिका)
- कॅनेडियन रॉकी पर्वत की सर्वोच्च चोटी = रॉबसन।
- नदियों का उद्गम जैसे = कोलंबिया, कोलाराडो, रियो ग्रेण्ड नदी आदि।

- रॉकी तथा पश्चिम में स्थित पर्वत श्रेणियों के बीच कई अतःपर्वतीय पठार स्थित। जैसे – कोलंबिया, ग्रेट बेसिन, कोलोराडो पठार आदि।
- खनिज – तांबा, सीसा, जस्ता, चाँदी।
- योहो राष्ट्रीय उद्यान (कनाडा), यैलोस्टोन राष्ट्रीय उद्यान स्थित (USA) = ओल्ड फेथफुल गीजर।

❖ सिएरा नेवादा –

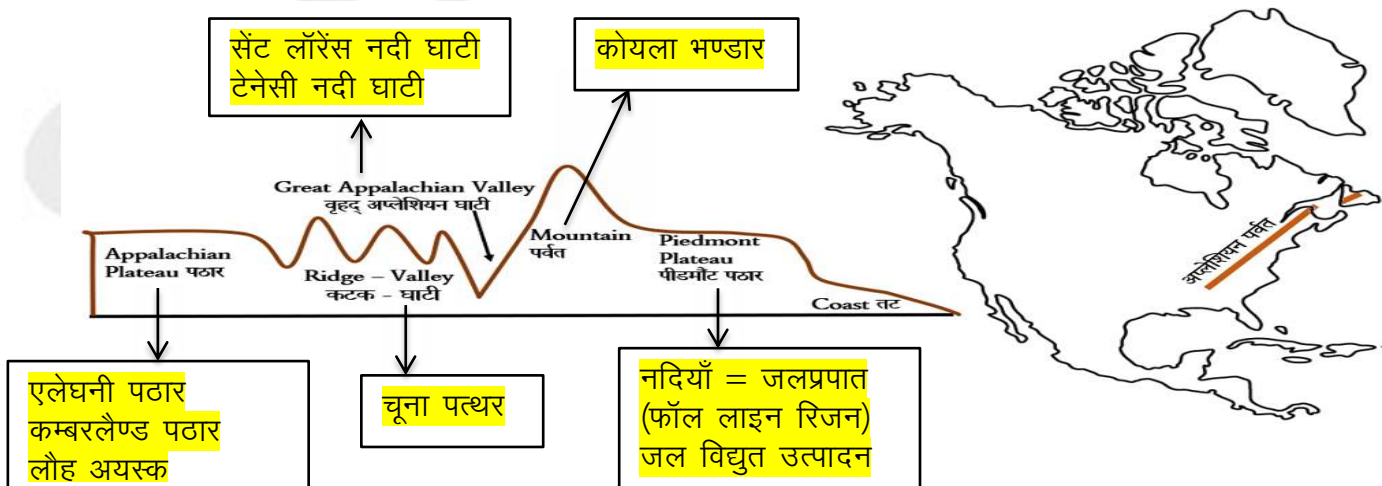
- संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी भाग में स्थित।
- विश्व का सबसे बड़ा खण्ड पर्वत।
- सबसे ऊँची चोटी = व्हिटनी
- उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी अल्पाइन झील = ताहो
- विश्व का सबसे बड़ा वृक्ष = सिकोइया (जनरल शेरमैन)
- सिकोइया तथा योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान स्थित।

❖ ट्रांस मैक्सिकन ज्वालामुखी बेल्ट –

- सितलल्टेपेटल (पिको डी ओरीजाबा) – मैक्सिको की सर्वोच्च चोटी
– उत्तरी अमेरिका महाद्वीप की तीसरी सर्वोच्च चोटी।
- पोपोकैटेपेटल – मैक्सिको की दूसरी सबसे सर्वोच्च चोटी।

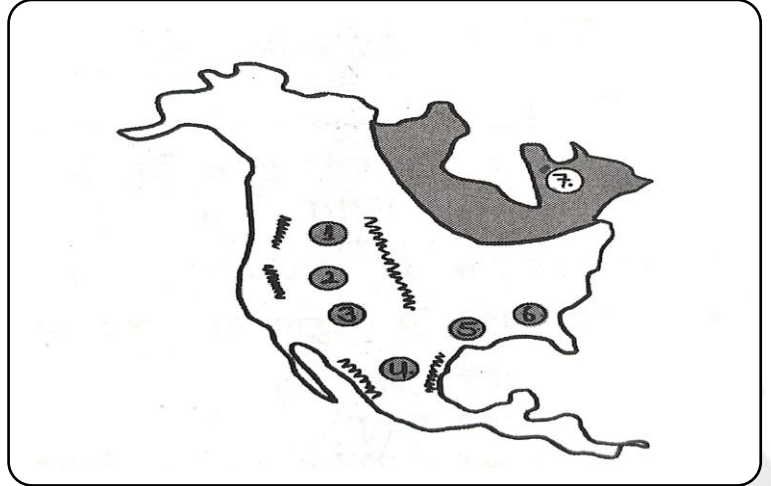
❖ अप्लेशियन पर्वत –

- उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग में स्थित प्राचीन वलित श्रेणी, जो कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में विस्तृत है। (ऊँचाई = 1,000 मीटर से 2,000 मीटर तक।)
- इस पर्वत समूह में बहुत से पर्वत सम्मिलित हैं। जैसे – नॉर्टेडैम पर्वत, ग्रीन पर्वत, व्हाइट पर्वत (वॉशिंगटन – उच्चतम चोटी), एलेघनी पर्वत, ब्लू रिज पर्वत।
- सर्वोच्च चोटी = मिशैल।
- उच्च गुणवत्ता के कोयले के भण्डार स्थित।



☑ उत्तरी अमेरिका के पठार –

1. कोलंबिया पठार
2. ग्रेट बेसिन पठार
3. कोलोराडो पठार
4. मैक्सिको का पठार
5. एडवर्ड पठार
6. ओजार्क पठार
7. कैनेडियन पठार/शील्ड



★ कोलंबिया का पठार –

- अन्य नाम – कोलंबिया स्नेक पठार।
- रॉकी व कैस्केड के बीच स्थित अन्तः पर्वतीय पठार।
- अर्द्ध शुष्क परिस्थितियाँ।
- सेज ब्रश झाड़ियाँ।
- ज्वालामुखी पठार।
- सुटकेस फार्मिंग के लिए विख्यात – केवल गीष्म ऋतु के दौरान कृषि।

★ ग्रेट बेसिन पठार –

- सियरा नेवादा तथा रॉकी पर्वत के बीच स्थित। (अन्तः पर्वतीय पठार)
- यहाँ अर्द्ध शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती हैं जिससे इसका काफी बड़ा भाग मरुस्थलीय है यहाँ ग्रेट बेसिन मरुस्थल स्थित है।
- श्रेणी एवं बेसिन प्रदेश का भाग।
- यहाँ अंतः स्थलीय अपवाह तंत्र एवं लवणीय झीलें पाई जाती हैं। जैसे – ग्रेट साल्ट झील।
- इस पठार के दक्षिणी भाग (पूर्वी कैलिफॉर्निया) में मृत घाटी स्थित है, जो मोहावे/मोजावे मरुस्थल का भाग है।
- मृत घाटी में उत्तरी अमेरिका का निम्नतम बिन्दू (बैडवॉटर बेसिन = -86 मी.) है और यहाँ विश्व का सर्वोच्च तापमान अभिलेखित किया गया है।

★ कोलोराडो पठार –

- रॉकी पर्वत की श्रेणियों के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अन्तः पर्वतीय पठार है।
- यहाँ शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती हैं।
- यह पठार चूना पत्थर से बना है।

- इस पर कोलोराडो तथा उसकी सहायक नदियाँ (ग्रीन, लिटिल कोलोराडो, सान जुआन) बहती हैं।
- इन नदियों के अपरदन से विश्व की सबसे बड़ी घाटी 'ग्रैंड कैनिन' (एरिजोना राज्य) का निर्माण होता है।
- मेसा एवं ब्यूट भी अवस्थित।
- ग्रैंड कैनिन राष्ट्रीय उद्यान स्थित।

★ मैक्सिको पठार –

- सियरा माद्रे ऑक्सीडेंटल और सियरा माद्रे ऑरिएन्टल के मध्य स्थित।
- शुष्क परिस्थितियाँ।
- उत्तरी भाग में चिहुआहुआ मरुस्थल स्थित।
- मैक्सिको का सर्वाधिक खनिज संपन्न क्षेत्र है।
- विश्व की सबसे बड़ी चाँदी की खान चिहुआहुआ में स्थित।

★ कैनेडियन शील्ड / लॉरेंशिया का पठार –

- विश्व के सबसे पुराने भू-भागों में से एक।
- पुराना कटा-फटा पठार।
- अधिक अपरदन के कारण ऊँचाई कम। (300–400 मीटर)
- खनिज – बॉक्साइट, लौह अयस्क, निकल, सोना, चाँदी आदि।
- विश्व में सबसे बड़ा निकल उत्पादन स्थान – सडबरी (ऑंटेरियो)
- इस पठारी क्षेत्र में बहुत से हिमनद पाए जाते हैं, जिनके कारण यहां मीठे पानी की झीलों का निर्माण होता है।

☑ उत्तरी अमेरिका के मैदान –

★ मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश – इसके तीन भाग हैं –

1. मैकेंजी नदी बेसिन
2. प्रेयरीज घास के मैदान
3. मिसिसिपी बेसिन – चावल, कपास, तंबाकू की कृषि (उपजाऊ मैदान) एवं खाद्यान्न सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण।

★ प्रेयरीज –

- कनाडा व संयुक्त राज्य अमेरिका में विस्तृत शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
- मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश का उत्तरी भाग।
- मृदा = चरनोजम मृदा (ह्यूमस की मात्रा अधिक, काला रंग।)

- अत्यधिक उपजाऊ मैदान व पौष्टिक घास।
- इसका उपयोग कृषि (मुख्यतः गेहूँ व मक्का) एवं पशुपालन में।
- संयुक्त राज्य की मक्का पेटी स्थित।
- विनिपेग (कनाडा) – विश्व की सबसे बड़ी गेहूँ की मण्डी।
- प्रेयरीज मैदान संयुक्त राज्य अमेरिका व कनाडा को अग्रणी गेहूँ निर्यातक देश बनाते हैं।
- शिकागो – मांस प्रसंस्करण के लिए प्रसिद्ध।
- रैंच – बड़े मवेशी फॉर्म
- प्रमुख पशु – बायसन, कोयोट, गोफर, प्रेयरीज कुत्ता।
- जनजातियाँ – अपाचे, क्रो, क्री, पॉनी।
- मूल निवासी – रेड इंडियन।
- मुख्य वृक्ष – ओल्डर, पोपलर, विल्लो।

★ शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान –

- प्रेयरीज – उत्तर अमेरिका
- पम्पास – दक्षिण अमेरिका
- वेल्ड – दक्षिण अफ्रीका
- स्टेपी – यूरोशिया
- डाऊन्स – ऑस्ट्रेलिया
- पुस्ताज – हंगरी
- मंचूरिया – चीन
- कैटरबरी – न्यूजीलैंड

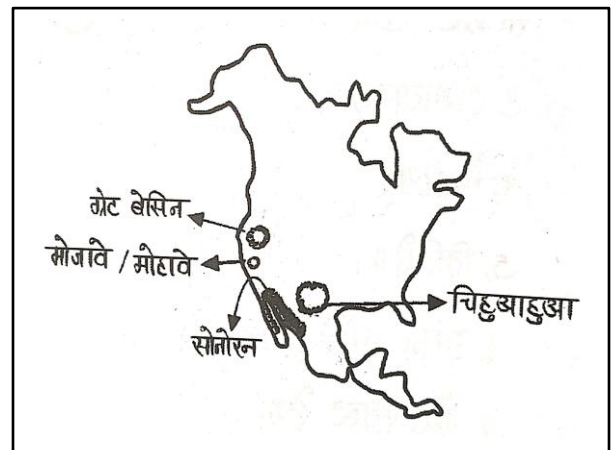
☑ उत्तरी अमेरिका के मरुस्थल –

1. ग्रेट बेसिन मरुस्थल –

- पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित।
- उच्च अक्षांशों में स्थित होने के कारण शीत मरुस्थल का उदाहरण।

2. मोजावे / मोहावे –

- पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित।
- गर्म मरुस्थल का उदाहरण।
- उत्तरी अमेरिका का सबसे छोटा मरुस्थल।
- मृत घाटी इसी का भाग है।
- जोशुआ पेड़ स्थित।



3. सोनोरन मरुस्थल –

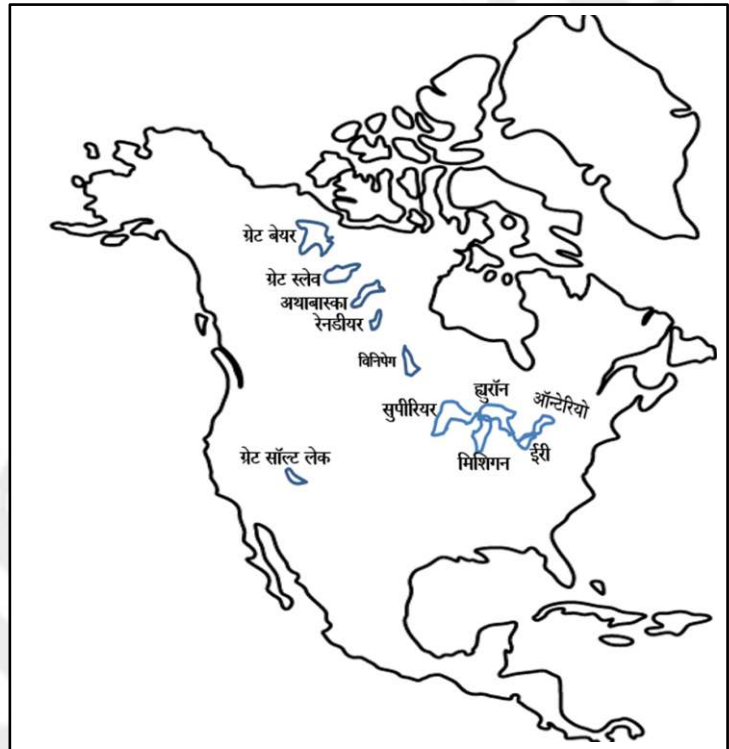
- दक्षिण-पश्चिम USA व उत्तर-पश्चिम मैक्सिको में स्थित।
- गर्म मरुस्थल का उदाहरण।
- बड़े कैक्टस के पेड़।

4. चिहुआहुआ –

- दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका व उत्तरी मैक्सिको में स्थित।
- उत्तरी **अमेरिका** का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल।

☑ उत्तरी अमेरिका की झीलें –

1. ग्रेट बेयर
2. ग्रेट स्लेव
3. अथाबास्का
4. रेनडियर
5. विनिपेग
6. महान झीलें
7. ग्रेट सॉल्ट लेक



1. ग्रेट बेयर झील –

- पूर्ण रूप से कनाडा में स्थित सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
- इसके किनारे पोर्ट रेडियम स्थित है जहां रेडियम, यूरेनियम, सोने के भण्डार हैं।

2. ग्रेट स्लेव –

- कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील।
- मैकेंजी नदी का उद्गम।
- **झील के** किनारे येलानाइफ शहर स्थित, जो सोने तथा हीरे के भण्डार के लिए विख्यात है।

3. अथाबास्का झील –

- कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील।
- झील के किनारे – यूरेनियम सिटी। (यूरेनियम, सोने, **व** पेट्रोलियम के भण्डार)

1. मैकेन्जी नदी –

- उद्गम – ग्रेट स्लेव लेक
- संगम – ब्युफोर्ट सागर
- कनाडा की सबसे लम्बी नदी
- नदी के डेल्टा क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार

2. यूकोन नदी –

- उद्गम – मैकेन्जी पर्वत
- संगम – बेरिंग सागर
- अलास्का राज्य की प्रमुख नदी
- नदी के बेसीन में सोने के प्लेसर निक्षेप

3. कोलंबिया नदी –

- उद्गम – रॉकी पर्वत
- संगम – प्रशान्त महासागर
- वाशिंगटन राज्य की प्रमुख नदी (प्रमुख सहायक नदी – स्नेक)
- बाँध – ग्रेन्ड कुली बाँध (जलाशय – रुजवेल्ट झील)

4. कोलोराडो नदी –

- उद्गम – रॉकी पर्वत
- संगम – केलिफोर्निया की खाड़ी
- पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश की प्रमुख नदी।
- यह कोलोराडो पठार पर बहती है तथा ग्रेंड केनियन का निर्माण करती है।
- बाँध – हूवर बाँध (मीड झील)

5. रियो ग्रेंड नदी –

- उद्गम – रॉकी पर्वत
- संगम – मेक्सिको की खाड़ी
- संयुक्त राज्य अमेरिका तथा **मैक्सिको** के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्माण।
- प्रमुख सहायक नदी – पेकोस।

6. मिसिसीपी-मिसौरी नदी –

- उद्गम – संयुक्त राज्य अमेरिका के मिन्नेसोटा राज्य में स्थित 'इटास्का झील' से।
- प्रमुख सहायक मिसौरी नदी का उद्गम – रॉकी पर्वत
- संगम – मैक्सिको की खाड़ी।
- अन्य सहायक = टेनेसी, ओहियो, अरकानसास, रेड।
- ये नदियाँ उत्तरी अमेरिका के सबसे लम्बे नदी तंत्र तथा विश्व के चौथे सबसे लम्बे नदी तंत्र का निर्माण करती हैं।
- ये 'पक्षी के पंजे की आकृति का डेल्टा' बनाती हैं।
- टेनेसी नदी घाटी परियोजना के आधार पर भारत में दामोदर नदी घाटी परियोजना का निर्माण हुआ है।

7. हड्सन नदी –

- उद्गम – संयुक्त राज्य अमेरिका के एडिरॉन्डेक पर्वतीय क्षेत्र में स्थित हेन्डरसन झील से।
- संगम – अटलांटिक महासागर।
- नदी किनारे शहर – न्यूयॉर्क।
- प्रमुख सहायक नदी – मोहॉक

8. सेंट लॉरेंस नदी –

- उद्गम – ओंटैरियो झील से।
- संगम – सेंट लॉरेंस की खाड़ी।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका एवं कनाडा के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में बहती है।
- विश्व के सबसे बड़े नदमुख का निर्माण।

9. पोटोमैक नदी –

- इस नदी के किनारे वॉशिंगटन डी.सी. शहर स्थित है।

☑ उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक प्रदेश –

1. दक्षिण न्यू इंग्लैंड प्रदेश
2. मध्य अटलांटिक तटीय प्रदेश
3. दक्षिणी अप्लेशियन प्रदेश
4. गल्फ तटीय प्रदेश/पूर्वी टेक्सास प्रदेश
5. महान झील प्रदेश/मिडवेस्ट प्रदेश
6. प्रशांत तटीय प्रदेश
7. अलास्का
8. सिनसिनाटी-इंडियानापोलिस प्रदेश
9. ग्रेट कान्हावा घाटी प्रदेश।

❖ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश –

- सूती वस्त्र – बोस्टन
- ऊनी वस्त्र – लोवेल, प्रोविडेंस
- हार्ट फोर्ड – बीमा उद्योग का अंतरराष्ट्रीय उद्योग।
- पैटरसन (न्यू जर्सी) – सिल्क सिटी
- स्टील – स्पैरो पोईंट मोरिसविल्ले

★ पूर्वी टेक्सास प्रदेश –

- तेल रिफाइनरी – डलास, ह्यूस्टन, न्यू ऑर्लिन्स
- वायुयान निर्माण – फोर्टवर्थ

★ प्रशांत तटीय प्रदेश –

- वायुयान निर्माण – सिएटल
- जहाज निर्माण – पोर्टलैण्ड
- सिलिकॉन वेली – सेनफ्रांसिस्को
- आईटी उद्योग – सेन डीएगो
- हॉलीवुड – लॉस एंजिलीस

★ महान झील प्रदेश –

- पिट्सबर्ग
 - डुलुथ
 - क्लीवलैंड
 - बफैलो
 - गैरी
- } स्टील उद्योग

★ अलास्का

- प्रुधो खाड़ी – ऑयल।

नोट –

- ✓ ब्यूट माइन (कॉपर) = मोन्टाना (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- ✓ क्लाइमेक्स माइन (मोलिब्डेनम) = संयुक्त राज्य अमेरिका

❖ कनाडा के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश –

1. ऑटेरियो तथा सेंट लॉरेंस प्रदेश
2. प्रेयरीज प्रदेश
3. प्रशांत तटीय प्रदेश

1. ऑटेरियो तथा सेंट लॉरेंस प्रदेश –

- हैमिल्टन तथा साल्ट सेंट मेरी – लौह इस्पात उद्योग
- सडबरी – निकल, प्लेटिनम
- विंडसर – ऑटोमोबाईल
- होलिंगर खान – सोने की खान (टिमिन्स शहर)
- मॉन्ट्रियल – अखबारी कागज
- हाइबर्निया क्षेत्र – ऑयल एवं प्राकृतिक गैस
- कार्नर ब्रुक्स – कागज
- नोवा स्कोशिया – सेब

2. प्रेयरी प्रदेश –

- टर्नर वैली (कैलगरी) – ऑयल – प्राकृतिक गैस।

3. प्रशांत तटीय प्रदेश –

- सुलीवान माइंस – सीसा जस्ता।
- वैकूवर – लुगदी उद्योग।

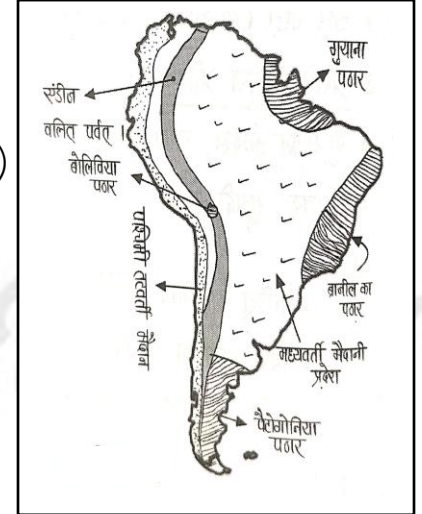
नोट –

- ✓ मिडिल अमेरिका = मैक्सिको + सेन्ट्रल अमेरिका + वेस्ट इंडीज
- ✓ लेटिन अमेरिका = मिडिल अमेरिका + सेन्ट्रल अमेरिका + फ्रेंच गुयाना
- ✓ एंग्लो अमेरिका = संयुक्त राज्य अमेरिका + कनाडा

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप

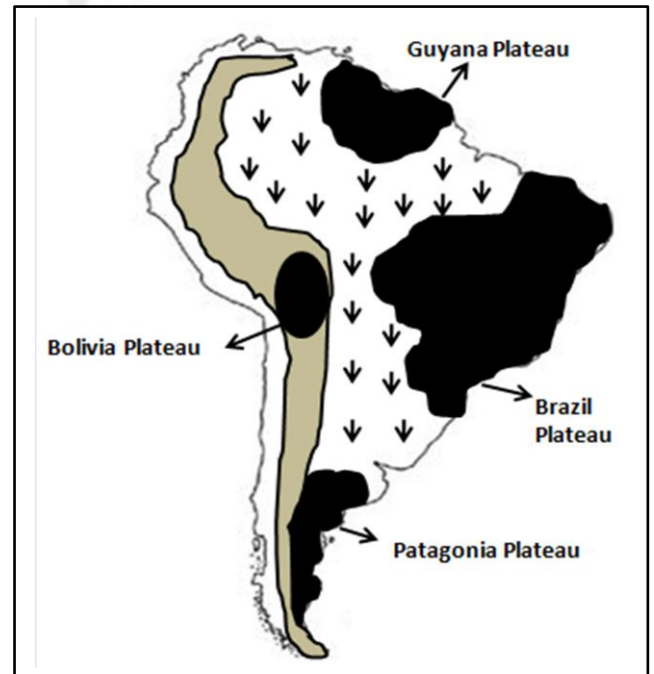
☑ एंडीज पर्वत –

- दक्षिण अमेरिका के पश्चिम में स्थित नवीन वलित पर्वत।
- निर्माण = दक्षिण अमेरिकी तथा नाजका प्लेट के अभिसरण से।
- विश्व की सबसे लंबी महाद्वीपीय पर्वत श्रेणी है। (7 देशों में विस्तृत)
- दक्षिणी व पश्चिमी गोलार्द्ध की सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी।
- सर्वोच्च चोटी – अंकोकागुआ (अर्जेंटीना)
- अन्य ज्वालामुखी चोटियाँ –
 - ओजस डेल सलादो (अर्जेंटीना व चिली)
 - चिबोराजो (इक्वेडोर)
 - कोटोपैक्सी (इक्वेडोर)
- चिंबोराजो पृथ्वी के केंद्र से सर्वाधिक दूर स्थित है क्योंकि यह विषुवत रेखीय क्षेत्र में स्थित है।
- प्रमुख नदियाँ = अमेजन, कोलोराडो।
- अन्तः पर्वतीय पठार = बोलीविया पठार।
- गहन वनस्पति एवं जैव विविधता (पूर्वी ढाल पर मोंटाना वन)
- खनिज = तांबा, सोना आदि।
- पशु = लामा, अल्पाका, चिनचिला।



☑ दक्षिण अमेरिका के पठार –

1. गुयाना का पठार
2. ब्राजील का पठार
3. बोलीविया का पठार/बोलीविया अल्टीप्लेनो
4. पैराग्वे का पठार



1. गुयाना का पठार –

- दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी भाग में विस्तृत पुराना एवं स्थिर भू-भाग।
- शील्ड का उदाहरण
- खनिज = बॉक्साइट, लौह अयस्क, सोना, हीरा, मैंगनीज आदि।
- ओरिनोको तथा सहायक नदियों का उद्गम (जलप्रपात – जल विद्युत उत्पादन)

2. ब्राजील का पठार –

- ब्राजील में स्थित पुराना एवं स्थिर भू-भाग।
- शील्ड का उदाहरण।
- खनिज = लौह अयस्क।
- माटोग्रासो पठार इसी का भाग है।
- नदियों का उद्गम – साउ फ्रांसिस्को, पराना।

3. बोलीविया का पठार/ओलीविया अल्टीप्लेनो –

- मुख्यतः बोलीविया में विस्तृत परन्तु कुछ भाग पेरू, चिली तथा अर्जेंटीना में स्थित है।
- एंडीज पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित अंतःपर्वतीय पठार स्थित। (ज्वालामुखी पठार)
- शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती।
- लवणीय झीलें स्थित हैं जैसे – पुपो/पोपो झील (वर्तमान में सूख चुकी है।)
- 'सलार दी यूनी' नामक साल्टपैन स्थित है।
- मीठे पानी की टिटिकाका झील (विश्व की सबसे ऊँची नौकायन उपयुक्त झील) भी स्थित है।
- बोलीविया की राजधानी लापाज स्थित है जो विश्व की सबसे ऊँची राजधानी है।
- खनिज = टिन तथा टंगस्टन।

4. पैटागोनिया का पठार –

- मुख्यतः चिली तथा अर्जेंटीना में स्थित।
- लावा की परत उपस्थित।
- एंडीज पर्वत के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित।
- अतः शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती हैं।
- यहां पैटागोनिया मरुस्थल स्थित है।
- पैटागोनिया का मरुस्थल – ठंडा मरुस्थल व क्षेत्रफल की दृष्टि से दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा मरुस्थल।

☑ दक्षिण अमेरिका के मैदान –

1. पश्चिमी तटवर्ती मैदान
2. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश

1. पश्चिमी तटवर्ती मैदान –

- एंडीज पर्वत के पश्चिम में स्थित विश्व के सबसे लंबे तटवर्ती मैदान।
- **संकड़े** मैदान।
- तांबे के भण्डार स्थित।
- समुद्री पक्षियों (**गुआनो** पक्षी) की बीट (**गुआनो**) के कारण मृदा में नाइट्रेट फास्फेट की मात्रा अधिक)
- मध्यवर्ती भागों में अटाकामा मरुस्थल स्थित।
- अटाकामा मरुस्थल – मुख्यतः पेरू तथा चिली में स्थित, विश्व का शुष्कतम मरुस्थल, विश्व का शुष्कतम स्थान 'अरिका' (चिली) स्थित।

2. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश –

- निर्माण = ओरिनाको, अमेजन तथा पराना जैसी नदियों द्वारा जमा किए गए अवसादों से।

1. वर्षावन = सेलवास

- अमेजन नदी के बेसिन में स्थित।
- विश्व के फेफड़े।
- बालसा नामक विश्व की सबसे हल्की लकड़ी वाले वृक्ष उपस्थिति।

2. उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान – लानोस (ओरिनोको बेसिन), ग्रान चाको (पराना बेसिन), कैंपोस, सैराडोस, कैटिंगस (अमेजन बेसिन)।

3. शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान = पम्पास

☆ पम्पास घास के मैदान –

- ब्राजील, उरुग्वे, अर्जेंटीना में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
- मृदा = चरनोजम मृदा (ह्यूमस की मात्रा अधिक, काले रंग की उपजाऊ मृदा)
- पौष्टिक घास = अल्फा-अल्फा घास।
- उपयोग = कृषि (मुख्यतः गेहूँ उत्पादन) तथा पशुपालन में।
- कुछ भाग का अंगूर की खेती के लिए उपयोग।
- अर्जेंटीना का मेंडोजा शहर वाइन उत्पादन के लिए विख्यात।
- मवेशी फार्म = एस्टेंशिया (ग्वाचो द्वारा देखरेख)

↓
(कारुबायस ऑफ पम्पास)



☑ दक्षिण अमेरिका की प्रमुख झीलें –

1. मराकाइबो झील –

- वेनेजुएला की प्रमुख झील।
- कैरेबियन सागर से जुड़ने के कारण लवणीय झील।
- दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील परन्तु वास्तव में एक तटीय खाड़ी।
- पेट्रोलियम भण्डार।
- तबलाजों जलसंधि इस झील को वेनेजुएला की खाड़ी से जोड़ती है।

2. टिटिकाका झील –

- पेरू, बोलीविया के सीमा क्षेत्र में बोलीविया के पठार पर स्थित।
- दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
- विश्व में सर्वाधिक ऊँची नौकायन उपयुक्त झील।

☑ दक्षिण अमेरिका की नदियाँ –

1. ओरिनोको नदी –

- उद्गम – गुयाना पठार
- संगम – अटलांटिक महासागर
- **वेनेजुएला** की प्रमुख नदी।
- लानोस तथा पेट्रोलियम।
- प्रमुख सहायक नदी = कैरोनी (गुरी बाँध)
- कैरोनी की प्रमुख सहायक नदी = 'चुरुन' (जिस पर एंजिल जलप्रपात स्थित जो विश्व का सबसे ऊँचा जलप्रपात है।)



2. अमेजन नदी –

- उद्गम – एंडीज पर्वत।
- संगम – अटलांटिक महासागर।
- विश्व की सबसे बड़ी एवं दूसरी सबसे लंबी नदी।
- **सैलवास, कैम्पोज, सेराडोज, कैटिंगस**।
- प्रमुख सहायक नदी – नीग्रो तथा मेडीरा।

3. साऊ फ्रांसिस्को नदी –

- उद्गम – ब्राजील का पठार।
- संगम – अटलांटिक महासागर।

- पूर्णरूप से ब्राजील में बहने वाली सबसे लंबी नदी।
- राष्ट्रीय एकता की नदी।

4. पराना नदी –

- उद्गम – ब्राजील का पठार
- संगम – रियो-डी ला प्लाटा
- प्रमुख सहायक – पराग्वे तथा उरुग्वे
- पराना-पराग्वे-उरुग्वे = प्लाटा नदियाँ।
- दक्षिण अमेरिका की दूसरी सबसे लंबी नदी।
- ग्रान चाको घास का मैदान स्थित।
- बाँध = इताईपू बाँध (विश्व का तीसरा सबसे बड़ा जल विद्युत उत्पादक बाँध = ब्राजील व पराग्वे)

नोट – इग्वाजू फॉल्स – ब्राजील व अर्जेंटीना की सीमा पर स्थित।

5. कोलोराडो नदी –

- उद्गम – एंडीज पर्वत।
- संगम – अटलांटिक महासागर।
- पैटागोनिया मरुस्थल की उत्तरी सीमा तथा पम्पास की दक्षिणी सीमा का निर्धारण।

☑ दक्षिण अमेरिका के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश –

★ कोलंबिया –

- मेडेलिन, मानिजेल्स = कॉफी
- कॉफी फार्म = फिन्का

★ पेरू –

- सेर्रो डी पास्को = चाँदी

★ चिली –

- चुक्विकामाता = तांबा

★ ब्राजील –

- इताबिरा, बेलो होरिजोंटे = लौह अयस्क।
- वोल्टा रेडोंडो = स्टील
- साओ पाआलो = कॉफी
- सेंटॉस = कॉफी पोर्ट
- फजेण्डा = कॉफी फार्म (टेरा रोसा मिट्टी)

★ अर्जेंटीना –

- ब्यूनस आयर्स = जहाज निर्माण।

नोट – लीथियम त्रिभुज = अर्जेंटीना, बोलीविया, चिली

☑ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य –

★ फॉकलैण्ड द्वीप –

- अन्य नाम – मालविनास द्वीप
- यूनाइटेड किंगडम के नियंत्रण में।
- अर्जेंटीना व यूनाइटेड किंगडम के बीच विवादित।

★ गालापेगॉस द्वीप –

- विषुवत रेखीय क्षेत्र में स्थित।
- इक्वाडोर के क्षेत्राधिकार में।
- इसी द्वीप से ऑलिव रिडले नामक कछुएँ प्रजनन के लिए प्रवास करते हैं तथा भारत के पूर्वी तट तक पहुँचते हैं।
- इन कछुओं को भीतरकणिका तथा गहिरमाथा अभयारण्यों में संरक्षण प्रदान किया जाता है।

★ टिएरा डेल फ्यूगो –

- चिली व अर्जेंटीना के क्षेत्राधिकार में।
- मुख्य भू-भाग से मैगलन जलसंधि द्वारा अलग।
- वर्तमान में दक्षिणतम सिटी = प्यूर्टो विलियम्स (चिली)
- पूर्व में दक्षिणतम सिटी = उशुवाया (अर्जेंटीना)

★ मैगलन जलसंधि –

- प्रशांत महासागर को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है।
- यह जलसंधि चिली और अर्जेंटीना को 'टिएरा डेल फ्यूगो' द्वीप से अलग करती है।

★ बेगल चैनल –

- चिली व अर्जेंटीना के बीच
- टिएरा डेल फ्यूगो को भाग

अफ्रीका महाद्वीप

- अफ्रीका महाद्वीप को 'मानव सभ्यता का पालना' कहा जाता है।

☑ अफ्रीका के प्रमुख पर्वत –

1. एटलस
2. लोमा
3. ड्रेकन्सबर्ग
4. किलिमंजारो
5. केन्या पर्वत
6. रुवेन्जोरी



1. एटलस पर्वत –

- अल्जीरिया, ट्यूनिशिया व मोरक्को में स्थित नवीन वलित पर्वत।
- निर्माण = यूरेशियन तथा अफ्रीकन प्लेट के अभिसरण।
- सर्वोच्च चोटी = माउंट टौबकल (4,165 मीटर)
- धात्विक खनिज = लौह अयस्क, तांबा, सीसा, जस्ता, चाँदी, सोना आदि।

2. लोमा पर्वत –

- सिएरा लियोन तथा गिनी में स्थित।
- सर्वोच्च चोटी = बिनतुमानी/बिटिमनी
- नाइजर नदी का उद्गम।

3. ड्रेकन्सबर्ग –

- दक्षिण अफ्रीका तथा लेसाथो में स्थित प्राचीन वलित पर्वत।
- सर्वोच्च चोटी = लेनियाना।
- ऑरेंज नदी का उद्गम।

4. किलिमंजारो पर्वत –

- तंजानिया में पूर्वी अफ्रीकी भ्रंश घाटी के पास स्थित ज्वालामुखी पर्वत।
- अफ्रीका का सबसे ऊँचा पर्वत (5,895 मीटर)
- सर्वोच्च चोटी = उहुरु।
- इस पर पाए जाने वाले हिमनद निरंतर पिघलते जा रहे हैं।

5. केन्या पर्वत –

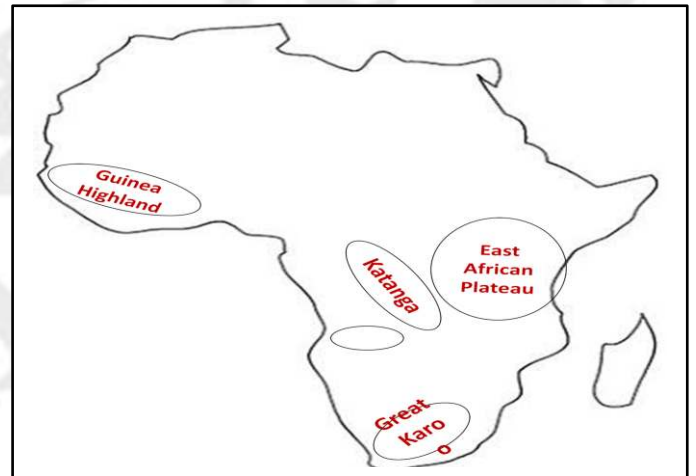
- केन्या में स्थित।
- अफ्रीका का दूसरा सबसे ऊँचा पर्वत।
- सर्वोच्च चोटी = बातीआन

6. रूवेन्जोरी पर्वत –

- कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य (DRC) तथा युगांडा के विषुवत रेखीय क्षेत्र में स्थित खण्ड पर्वत।
- अफ्रीका का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत।
- सर्वोच्च चोटी = मार्गरिटा (माउंट स्टैनली)
- उपनाम = 'चंद्रमा के पर्वत' व 'अफ्रीका के आल्पस पर्वत'
- तांबा तथा कोबाल्ट के भंडार।

☑ अफ्रीका के प्रमुख पठार –

1. गिनी उच्च भूमि (फाऊटा जालौन पठार)
2. जोस का पठार
3. कतांगा का पठार
4. बी का पठार
5. वृहत् कारु का पठार
6. पूर्वी अफ्रीकी पठार
7. इथोपियन उच्च भूमि पठार



1. गिनी उच्च भूमि –

- अफ्रीका के पश्चिम में स्थित पर्वतीय पठारी क्षेत्र।
- फाऊटा जालौन पठार तथा लोमा पर्वत इसी का भाग है।
- नदियाँ – नाइजर, सेनेगल, गैम्बिया।

2. फाऊटा जालौन का पठार –

- मुख्यतः गिनी में स्थित।
- पश्चिमी अफ्रीका का जल स्तंभ।
- पश्चिमी अफ्रीका में जल विभाजक का कार्य।

3. जोस का पठार –

- नाइजर तथा नाइजीरिया में स्थित।
- नाइजीरिया की राजधानी अबुजा स्थित।
- टिन के भण्डार।

4. कतांगा का पठार –

- DRC व जांबिया में स्थित।
- तांबे तथा कोबाल्ट के भंडार।
- लुआलाबा नदी का उद्गम जो अन्य धाराओं के साथ मिलकर कांगो नदी का निर्माण करती है।

5. बी का पठार –

- अंगोला में स्थित।
- जाम्बेजी नदी का उद्गम।
- बॉक्साइट के भण्डार।

6. वृहत कारु का पठार –

- दक्षिण अफ्रीका में स्थित।
- लावा की परत उपस्थित।
- खनिज = सोना, हीरा, प्लेटिनम, कायला आदि।

7. पूर्वी अफ्रीकी पठार –

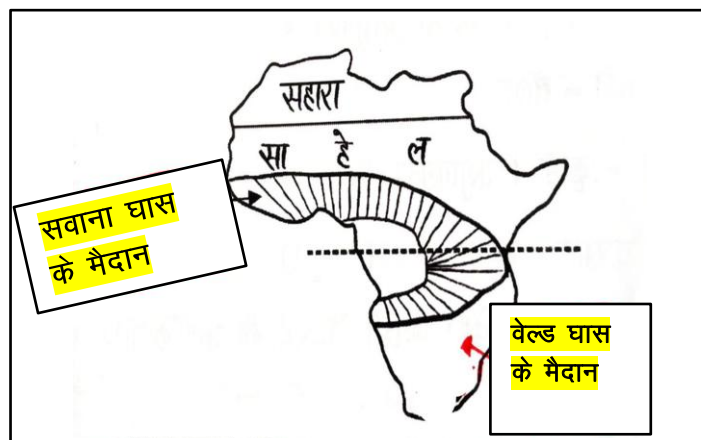
- अफ्रीका के पूर्वी भाग में विषुवत रेखीय क्षेत्र में स्थित।
- अफ्रीका का सबसे बड़ा पठार।
- किलिमंजारो स्थित।
- विक्टोरिया झील स्थित।
- मसाई जनजाति का निवास।
- केन्या में चाय की रोपण कृषि।

8. इथोपिया उच्च भूमि/अबेसीनियन पठार –

- मुख्यतः इथोपिया में स्थित।
- गर्म तथा शुष्क परिस्थितियाँ।
- लवणीय झील (अस्सल झील) स्थित।
- मीठे पानी की ताना झील भी स्थित जिससे 'ब्लू नील नदी' का उद्गम होता है।

☑ अफ्रीका के मैदान –

1. सवाना घास के मैदान
2. वेल्ड घास के मैदान



1. सवाना घास के मैदान –

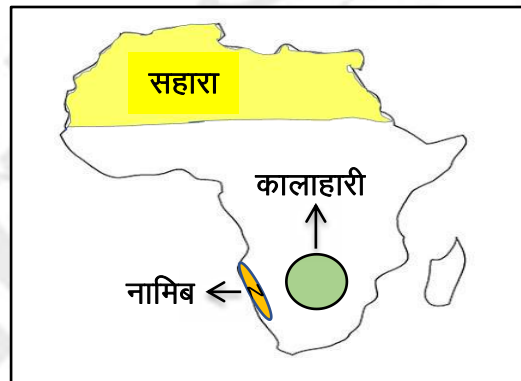
- विषुवत रेखा के उत्तर तथा दक्षिण में स्थित उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
- स्पष्ट रूप से ग्रीष्म तथा शीत ऋतु का निर्माण।
- वर्षा = 75–100 सेंटीमीटर।
- सीमित वर्षा के कारण लम्बी, मोटी एवं पौष्टिक घास (एलीफेंटा घास)।
- बड़े वन्य जीवों का निवास। (हाथी, जिराफ, जेबरा आदि।)
- प्राचीन काल में शिकार के लिए उपयोग अतः इन्हें 'लैंड ऑफ बिग गैम' भी कहा जाता है।
- नोट – सेरेंगटी मैदान – सवाना के सबसे बड़े मैदानों में से एक (तंजानिया)

2. वेल्ड घास के मैदान –

- दक्षिण अफ्रीका में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
- मुख्य नदी = वॉल।
- प्रमुख फसल = मक्का (मक्का त्रिभुज)
- उपयोग = कृषि व पशुपालन करने में।
- यहां की 'मेरिनो भेड़' अच्छी किस्म की ऊन के लिए प्रसिद्ध है।

☑ अफ्रीका के मरुस्थल –

1. सहारा
2. कालाहारी
3. नामिब



1. सहारा मरुस्थल –

- सहारा एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ 'वीरान' होता है।
- अफ्रीका के **उत्तर-पश्चिम** से पूर्व तक विस्तृत = मोरक्को, मॉरिटानिया, माली, मिस्र, ट्यूनिशिया, अल्जीरिया, लीबिया, चाड, नाइजर, सूडान, पश्चिमी सहारा।
- विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल।
- पथरीला मरुस्थल (हमादा का उदाहरण)
- ठण्डी कैनेरी धारा तथा STHPB के कारण निर्माण।
- लाल मृदा।
- तुआरेग तथा बेदुइन जनजातियाँ।

2. कालाहारी मरुस्थल –

- बोत्सवाना में स्थित लेकिन कुछ भाग नामीबिया तथा दक्षिण अफ्रीका में भी स्थित।
- गर्म मरुस्थल, रेतीला मरुस्थल (अर्ग का उदाहरण)
- ठण्डी बेंगुला धारा व महाद्वीप के मध्यवर्ती भाग में स्थित होने के कारण निर्माण।
- बुशमैन जनजाति का निवास।
- अकोवांगो डेल्टा स्थित।
- माक्गाडिकगाडी साल्ट पेन भी स्थित।

3. नामिब मरुस्थल –

- मुख्यतः नामीबिया में स्थित लेकिन कुछ भाग अंगोला तथा दक्षिण अफ्रीका में भी विस्तृत।
- गर्म मरुस्थल, रेतीला मरुस्थल (अर्ग का उदाहरण)
- ठण्डी बेंगुला धारा व महाद्वीप के पश्चिमी भाग में स्थित होने के कारण निर्माण।
- कोहरे से ढके हुए बालुका स्तूपों के कारण यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल।

नोट –

1. नूबियन मरुस्थल = सूडान में स्थित।

2. साहेल प्रदेश – सवाना घास के मैदान तथा सहारा मरुस्थल के बीच स्थित संक्रमणीय क्षेत्र।

3. महान अफ्रीकी भ्रंश घाटी –

- अरब प्रायद्वीपीय तथा पूर्वी अफ्रीका में स्थित।
- उत्तरी सीरिया से प्रारम्भ होकर मृत सागर, लाल सागर से होते हुए पूर्वी अफ्रीका में मोजांबिक देश (मलावी झील) तक विस्तृत।
- निर्माण = नूबियन तथा सोमाली प्लेट के अपसरण से।
- झीलें = तुर्काना, अल्बर्ट, एडवर्ड, कीवु, न्यासा (मलावी) टैंगनायिका, रुकवा, अस्सल।

☑ अफ्रीका की झीलें –

1. विक्टोरिया झील
2. टैंगनाइका झील
3. चाड झील
4. अस्सल झील
5. फागुबीन झील
6. ओगुटा झील



1. विक्टोरिया झील –

- केन्या, युगांडा, तथा तंजानिया के सीमा क्षेत्र में स्थित।
- अफ्रीका की सबसे बड़ी तथा विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील।
- इससे विषुवत रेखा भी गुजरती है।
- भ्रंश घाटी में स्थित नहीं हैं।
- श्वेत नील नदी का उद्गम।

2. टैंगनाइका झील –

- जांबिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC), तंजानिया तथा बुरुंडी के सीमा क्षेत्र में स्थित मीठे पानी की झील।
- विश्व की सबसे लम्बी तथा दूसरी सबसे गहरी झील।
- भ्रंश घाटी में स्थित है।

3. चाड झील –

- नाइजर, नाइजीरिया, केमरून तथा चाड के सीमा क्षेत्र पर स्थित मीठे पानी की झील।
- चारी नदी व अंतः स्थलीय अपवाह तंत्र।
- झील का अस्तित्व खतरे में है तथा रामसर सूची में शामिल।

4. अस्सल झील –

- इथोपिया पठार (जिबुती) पर स्थित लवणीय झील।
- अफ्रीका का सबसे निम्नतम बिन्दु स्थित है।

5. फागुबिन झील –

- माली देश में स्थित।
- सूख कर मरुस्थल में तब्दील।

6. ओगुटा झील –

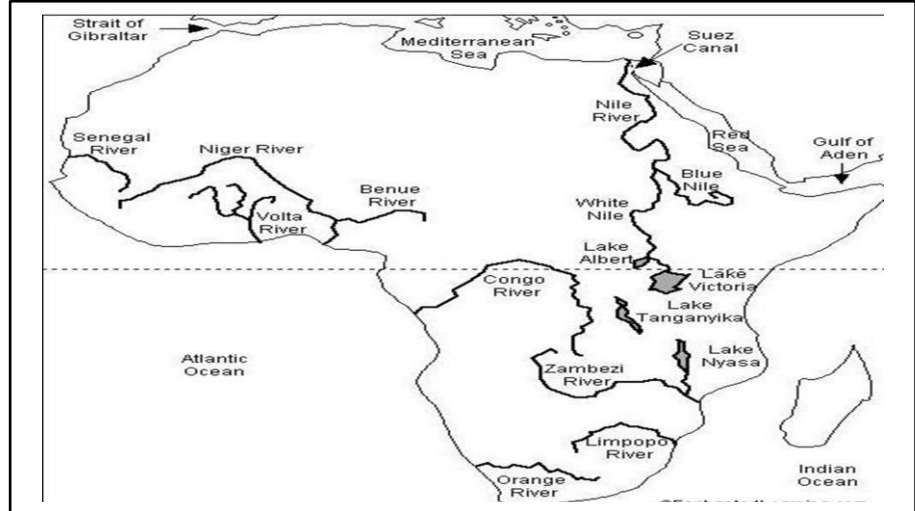
- नाइजीरिया में स्थित।

नोट – अफ्रीका की महान झीलें =

- अफ्रीका के पूर्वी भाग में स्थित झीलों को सम्मिलित रूप से महान झीलें कहा जाता है।
- जैसे – विक्टोरिया, टैंगनाइका, तरकण।

☑ अफ्रीका की नदियाँ –

1. वोल्टा नदी
2. नाइजर नदी
3. कांगो
4. जाम्बेजी
5. लिम्पोपो
6. ऑरेन्ज
7. नील



1. वोल्टा नदी –

- उद्गम – बुर्किना फ्रांसो का पठारी क्षेत्र
- संगम – गिनी की खाड़ी
- घाना की प्रमुख नदी।
- 'अकोसॉम्बो बाँध' स्थित जिससे वोल्टा झील का निर्माण।
- वोल्टा क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील।

2. नाइजर नदी –

- उद्गम – लोमा पर्वत से
- संगम – गिनी की खाड़ी
- नाइजीरिया के डेल्टा क्षेत्र में तेल के भण्डार (तेल नदी)
- नदी किनारे माली का प्रमुख शहर टिम्बुकटू स्थित।
- घुमाव वाली या मोड़ वाली नदी।

3. कांगो/जायरे नदी –

- उद्गम – कतांगा पठार
- संगम – अटलांटिक महासागर
- यह विषुवत रेखा को दो बार काटती है।
- विश्व की सबसे गहरी तथा दूसरी सबसे बड़ी नदी।
- अफ्रीका की दूसरी सबसे लंबी नदी।
- विश्व की सर्वाधिक जल विद्युत उत्पादन क्षमता उपस्थित। (ग्रेट इंगा परियोजना)
- स्टेन्ली एवं लिविंग स्टोन जलप्रपात।
- बेसिन क्षेत्र में पिग्मी जनजाति का निवास।

4. जाम्बेजी नदी –

- उद्गम – बी का पठार
- संगम – मोजांबिक चैनल
- करीबा बाँध स्थित जिससे करीबा झील का निर्माण।
- करीबा झील आयतन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील।
- विक्टोरिया जलप्रपात (विश्व के सबसे चौड़े जलप्रपातों में से एक)।

5. ऑरेज नदी –

- उद्गम – ड्रेकेंसबर्ग पर्वत से
- संगम – अटलांटिक महासागर
- सहायक नदी – वॉल

6. लिम्पोपो नदी –

- उद्गम – दक्षिण अफ्रीका का पूर्वी उच्च प्रदेश
- संगम – डेलागोवा की खाड़ी
- यह मकर रेखा को दो बार करती है।

7. नील नदी –

- उद्गम – सूडान की राजधानी खार्तूम में श्वेत नील तथा ब्लू नील नदियों के मिलने से।
- संगम – भूमध्य सागर
- विश्व की सबसे लंबी नदी
- नील नदी मित्र के लिए उपहार है।
- नदी किनारे स्थित शहर – काहिरा, अलेक्जेंड्रिया (सिंकदरिया), एल गीजा
- बाँध = आस्वान बाँध (मित्र)
- ग्रेण्ड इथोपियन रेनेसान प्रोजेक्ट (इथोपिया) = ब्लू नील नदी
- इस प्रोजेक्ट का सूडान तथा मित्र द्वारा विरोध किया गया।
- सूती वस्त्र उद्योग केंद्र = काहिरा और सिंकदरिया।
- चावल एवं कपास की खेती।
- मित्र के किसान = फेलाह

❖ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य –

⊗ उद्योग –

- तेल – अल्जीरिया, लीबिया, नाइजीरिया
- कॉफी – कॉफा (इथोपिया)

⊗ लॉग द्वीप – पेम्बा, जंजीबार

★ दक्षिण अफ्रीका की प्रसिद्ध खदानें –

- जोहांसबर्ग – सोना
- किम्बरले – हीरा

★ स्वेज नहर –

- निर्माण = 1869 ई.
- यह नहर लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है।
- यह नहर पोर्ट सईद को पोर्ट स्वेज से जोड़ती है।
- नहर का नियंत्रण = मिस्र द्वारा

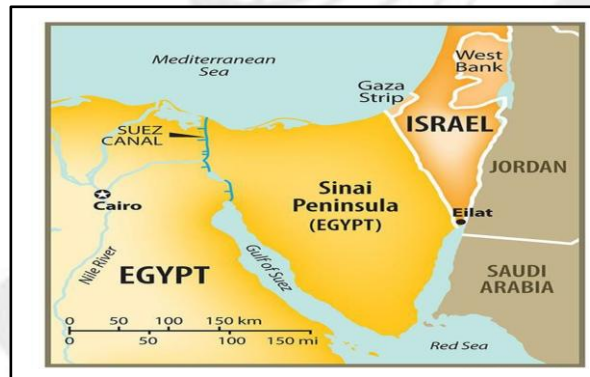


★ ग्रेट बिटर लेक –

★ तिम्सा लेक –

★ सिनाई प्रायद्वीप –

- यह प्रायद्वीप लाल सागर के उत्तर में स्थित है यह एशिया तथा अफ्रीका को जोड़ता है।
- यह मिस्र का ही भाग है यह एशिया का भाग भी माना जाता है। अतः मिस्र का कुछ भाग एशिया में स्थित है।



★ बाब-एल-मैंडेब –

- यह जलसंधि लाल सागर को अदन की खाड़ी (हिन्द महासागर) से जोड़ती है।
- यह अफ्रीका को एशिया से अलग करती है।
- यह जिबुती को यमन से अलग करती है।



यूरोप महाद्वीप

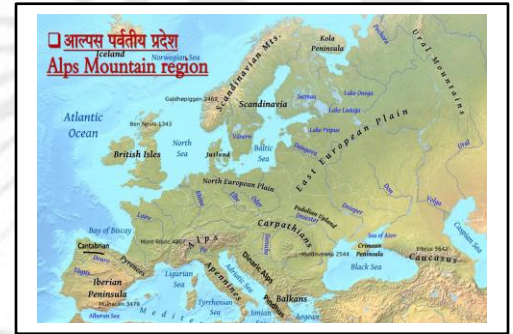
☑ यूरोप के पर्वत –

★ खण्ड पर्वत –

- वॉसेजीस पर्वत (फ्रांस)
- जुरा पर्वत (फ्रांस)
- ब्लैक फॉरेस्ट (जर्मनी)
- हॉर्ज (जर्मनी)

★ आल्प्स पर्वतीय प्रदेश –

- यूरोप के दक्षिणी भाग में स्थित नवीन वलित पर्वत।
- निर्माण = अफ्रीकन तथा यूरेशियन प्लेट के अभिसरण से।
- कैटाब्रायन = स्पेन, एब्रो नदी
- पिरिनीज = फ्रांस-स्पेन सीमा (अंडोरा देश में स्थित)



1. आल्प्स –

- स्विट्जरलैण्ड, ऑस्ट्रिया, इटली, फ्रांस के सीमा क्षेत्र पर स्थित नवीन वलित पर्वत।
- पूर्ण रूप से यूरोप में स्थित सबसे विस्तृत एवं ऊँची श्रेणी।
- सबसे ऊँची चोटी = माउंट ब्लांक (फ्रांस, 4,808 मीटर)
- अन्य प्रमुख चोटी = मेटरहॉर्न
- राइन, रोन एवं पो नदियों का उद्गम।
- तांबे, सोने के भण्डार।



2. एपिनाइंस – इटली, टिबेर नदी।

3. पिडंस – ग्रीस

4. बल्कान – बुल्गारिया (सर्वोच्च चोटी – बोटेव)

5. कार्पेथियंस – टेद्रा पर्वत इसी का भाग है।

6. पेनाइंस – इंग्लैंड

7. कॉकेशस पर्वत –

- काला सागर तथा कैस्पियन सागर के बीच स्थित नवीन वलित पर्वत।
- यूरोप तथा एशिया के बीच अंतरमहाद्वीपीय सीमा का निर्धारण।
- यूरोप की सबसे ऊँची चोटी = एल्ब्रुस (रूस, 5,642 मीटर)

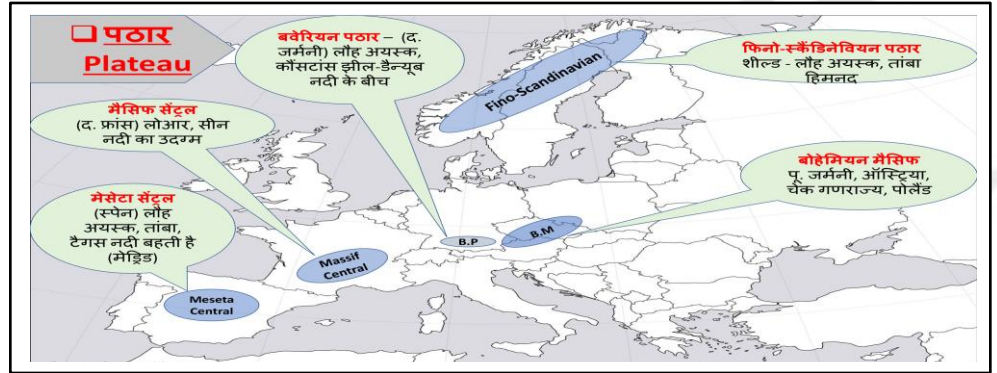


8. यूराल पर्वत –

- यूरोप तथा एशिया के सीमा क्षेत्र पर मुख्यतः रूस में स्थित प्राचीन वलित पर्वत।
- सबसे ऊँची चोटी = नरोदनाया
- यूराल नदी का उद्गम।
- लौह अयस्क, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस के भण्डार।

☑ यूरोप के पठार –

1. मेसेटा सेन्ट्रल
2. मैसिफ सेन्ट्रल
3. बवेरिन
4. बोहेमियन मैसिफ
5. फिनो स्कैंडिनेवियन



1. मेसेटा सेन्ट्रल –

- स्पेन तथा पुर्तगाल में स्थित।
- अन्य नाम = आइबेरियन पठार।
- स्पेन की राजधानी मेड्रिड स्थित है।
- इस पर टेगस नदी बहती है।
- लौह अयस्क के भण्डार।

2. मैसिफ सेन्ट्रल –

- फ्रांस में स्थित।
- लोआर व सीन नदियों का उद्गम।
- अंगूर की खेती।

3. बवेरियन पठार –

- जर्मनी में स्थित।
- लौह अयस्क के भण्डार।

4. बोहेमियन मैसिफ –

5. फिनो स्कैंडिनेवियन –

- उत्तर-पश्चिम यूरोप में स्थित।
 - विश्व के सबसे पुराने भू-भागों में से एक।
 - शीलड का उदाहरण।
 - लौह अयस्क एवं तांबे के भण्डार।
 - नार्वे का तट फियार्ड (जलमग्न हिमनद घाटियाँ) के लिए विख्यात (जैसे-सोगने,बोकना फियार्ड)
- नोट – हजार झीलों का देश = फिनलैंड।

☑ यूरोप के मैदान –

1. स्टेपी घास के मैदान – (शीतोष्ण घास के मैदान)

- डेन्यूब नदी बेसिन क्षेत्र (हंगरी) से लेकर चीन तक विस्तृत (8,000 कि.मी. दूरी तक)
- वर्षा = 20–50 सेंटीमीटर।
- अर्द्धशुष्क परिस्थितियाँ।
- मृदा = चरनोजम।
- मुख्यतः छोटी एवं पौष्टिक घास का विकास।
- उपयोग = कृषि एवं पशुपालन।
- हंगरी तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में विस्तृत स्टेपी = पुस्ताज/पेनानियन स्टेपी।

☑ यूरोप की झीलें –

1. वानर्न झील – स्वीडन
2. साइमा झील – फिनलैंड
3. हॉर्निनडलस्वातनेट – नॉर्वे
4. लाडोगा झील –
 - रूस में स्थित यूरोप की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
 - नेवा नदी का उद्गम।
 - मछलियों की विभिन्न प्रजातियों का कारण मत्स्य उद्योग के लिए प्रसिद्ध।
5. ओनेगा झील –
 - रूस में स्थित यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
 - स्वीर नदी का उद्गम जो लाडोगा झील में जाकर गिरती है।
6. कौसटांस झील –
 - जर्मनी, स्विट्जरलैंड तथा ऑस्ट्रिया के सीमा क्षेत्र पर स्थित।
 - मीठे पानी की झील।
 - राइन नदी द्वारा निर्माण।
 - दक्षिणी जर्मनी में मीठे जल का प्रमुख स्रोत।
7. जेनेवा झील –
 - फ्रांस और स्विट्जरलैंड के सीमा के क्षेत्र पर स्थित मीठे पानी की झील।
 - रोन नदी द्वारा निर्माण।
 - झील किनारे जेनेवा (स्विट्जरलैंड) स्थित है।

2. राइन नदी –

- उद्गम – आल्प्स पर्वत
- फ्रांस तथा जर्मनी के सीमा क्षेत्र पर वॉसेजीस तथा ब्लैक फॉरेस्ट पर्वतों के बीच भ्रंश घाटी में बहाव।
- भ्रंश घाटी में बहने वाली विश्व की सबसे लंबी नदी।
- नीदरलैंड में रॉटरडम (व्यस्तम बंदरगाह) के पास डेल्टा बनाते हुए उत्तरी सागर में मिल जाती है।
- प्रमुख सहायक नदी = रूर (बेसिन में कोयले के भण्डार)
- अन्य नाम = काली/कोयला नदी।
- राइन को नहर द्वारा रोम से जोड़ा जाता है।

3. पो नदी –

- आल्प्स पर्वत से एड्रियाटिक सागर तक विस्तृत।
- इटली की सबसे लंबी नदी।
- इटली की गंगा भी कहते हैं।
- बेसिन में लॉम्बार्डी मैदान।
- किनारे स्थित शहर –
 - टूरिन = ऑटोमोबाइल (इटली का डेट्रॉइट)
 - मिलान = फैशन

4. वोल्गा नदी –

- उद्गम – वल्दाई पहाड़ियाँ
- संगम – कैस्पियन सागर
- यूरोप की सबसे लंबी नदी
- अपवाह क्षेत्र – रूस
- बेसिन में प्राकृतिक गैस तथा पेट्रोलियम के भण्डार।
- बेसिन में स्टेपी घास के मैदान।

5. यूराल नदी –

- उद्गम – यूराल पर्वत
- संगम – कैस्पियन सागर
- अपवाह क्षेत्र – रूस तथा कजाकिस्तान।
- यूरोप तथा एशिया के बीच सीमा निर्धारण।
- कजाकिस्तान में पक्षी के पंजे की आकृति का डेल्टा निर्माण।
- पेट्रोलियम के भण्डार।
- स्टेपी घास के मैदान।

6. टेगस नदी –
 - उद्गम – केंद्रीय कॉर्डिलेरा से
 - संगम – अटलांटिक महासागर
 - शहर – लिस्बन (पुर्तगाल)
7. इब्रो नदी – जारागोजा (स्पेन)
8. लोआर नदी –
 - उद्गम – मैसिफ पर्वत
 - संगम – बिस्के की खाड़ी
 - फ्रांस की सबसे लंबी नदी
9. सीन नदी –
 - उद्गम – मैसिफ पर्वत
 - संगम – इंग्लिश चैनल
 - शहर – पेरिस
10. रोन नदी –
 - उद्गम – आल्प्स
 - संगम – लायंस की खाड़ी
 - शहर – ल्योंस (फ्रांस – रेशम के लिए विख्यात)
11. टिबेर नदी – रोम (इटली) तथा वेटिकन सिटी
12. एल्ब नदी – प्राग (चेक गणराज्य)
13. स्प्रि नदी – बर्लिन (जर्मनी)
14. बिस्तुला नदी – वॉरसा (पोलैंड)
15. टेम्स नदी – लंदन, ऑक्सफोर्ड एवं रीडिंग शहर
16. नीस्तर नदी – काला सागर में संगम
17. नीपर/डनीपर नदी – कीव (यूक्रेन)
18. डोनेट्स नदी – बेसिन में कोयला
19. डॉन नदी –
 - वोल्गा नदी से नहर द्वारा जुड़ी हुई।
 - अजोव सागर में संगम।

☑ यूरोप के औद्योगिक प्रदेश –

⊛ यूनाइटेड किंगडम (U.K.) –

- उत्तरी आयरलैण्ड
- उत्तरी-पूर्वी प्रदेश
- स्कॉटलैण्ड का क्लाइड घाटी प्रदेश
- दक्षिणी वेल्स
- पश्चिमी मिडलैण्ड
- पश्चिमी यॉर्कशायर व डर्बीशायर
- बेलफस्ट, ग्लासगो – जहाज निर्माण
- बर्मिंघम, एडिनबर्ग, ग्लासगो – लौह एवं इस्पात
- मैनचेस्टर (लंकाशायर), लिवरपूल – सूती वस्त्र उद्योग
- डंडी – विश्व की पहली जूट मिल
- कोवेंट्री – ऑटोमोबाइल
- ब्रेडफोर्ड – ऊनी वस्त्र

⊛ फ्रांस-जर्मनी के औद्योगिक प्रदेश –

1. पश्चिमी त्रिभुजाकार प्रदेश = फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी
 - रूर या निम्न राइन प्रदेश – जर्मनी
 - फ्लेडर्स प्रदेश – टेक्सटाइल
 - साम्ब्रे – कम्पाइन प्रदेश
 - निम्न भूमि प्रदेश – एंटवर्प = हीरा काटने का विश्व में सबसे बड़ा उद्योग।
2. अल्सास लॉरेन-सार प्रदेश
 - फ्रांस (नैसी) एवं जर्मनी = लौह एवं इस्पात के लिए विख्यात।
3. ऊपरी-राइन प्रदेश –
 - स्टुटगार्ट, म्यूनिख – ऑटोमोबाइल
 - फ्रैंकफर्ट – फाइनेंसियल हब
 - हेम्बर्ग – जहाज निर्माण
4. उत्तरी इटली/पो घाटी प्रदेश
5. साइलेशिया प्रदेश
6. दक्षिणी स्कैंडिनेविया –
 - लौहा – स्वीडन के किरुना, गेलिवर
 - डेयरी – डेनमार्क
7. वाइन = शैम्पेन, बोर्डो (फ्रांस)

❖ **रूस के औद्योगिक प्रदेश –**

1. लौह एवं इस्पात –

- मेग्नेटोगोर्स्क (यूराल प्रदेश)
- गोरनाया शोरिया (लौह अयस्क)
- मास्का-तुला क्षेत्र
- नोवोकुजनेट्स्क

2. सूती वस्त्र उद्योग = मॉस्को, गोर्की, उवानोवा (रूस का मैनचेस्टर)

3. लेनिनग्राद प्रदेश = व्लादिवोस्तोक (जलयान निर्माण), ऑटोमोबाइल

4. मध्य वोल्गा प्रदेश

❖ **यूक्रेन के औद्योगिक प्रदेश –**

1. आयरन व स्टील = डोनेट्स्क (कोयला), क्रिवोय रोग (लौहा), क्रीमिया

2. मैंगनीज = निकोपोल।

3. यूक्रेन = 'ब्रेड बास्केट ऑफ यूरोप'

❖ **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य –**

- ग्रेट ब्रिटेन = स्कॉटलैंड + इंग्लैंड + वेल्स
- यूनाइटेड किंगडम – उत्तरी आयरलैंड व ग्रेट ब्रिटेन
- BENELUX देश – बेल्जियम + नीदरलैंड + लक्जमबर्ग
- निम्नभूमि देश – इन देशों के तटवर्ती क्षेत्र जलमग्न हो जाते हैं तथा इन जलमग्न क्षेत्रों को तटबंध बनाकर पुनः प्राप्त किया जाता है इस प्रकार पुनः प्राप्त की गई भूमि को 'पोल्डर लैंड' कहते हैं।
- बॉल्टिक देश – एस्टोनिया + लाटविया + लिथुआनिया
- स्कैंडेनेवियन देश – नार्वे + स्वीडन + डेनमार्क
- नार्डिक देश – नार्वे + स्वीडन + डेनमार्क + आइसलैंड + फिनलैंड

☑ जल संधियाँ –

1. इंग्लिश चैनल –

- अटलांटिक महासागर व उत्तरी सागर को जोड़ता है।
- इंग्लैंड व फ्रांस को अलग करता है।

2. डोवर जलसंधि –

- इंग्लैंड व फ्रांस को अलग करती है।
- इंग्लिश चैनल व उत्तरी सागर को जोड़ती है।

3. बॉस्पोरस जलसंधि –

- इस्तांबुल और आनातोलिया प्रायद्वीप को अलग करती है।
- काला सागर एवं मरमरा सागर को जोड़ती है।

4. दार्दनेल्स जलसंधि –

- बाल्कन प्रायद्वीप और आनातोलिया प्रायद्वीप को अलग करती है।
- मरमरा सागर और इजियन सागर को जोड़ती है।

5. केरिच जलसंधि –

- यूक्रेन एवं रूस को अलग करती है।
- अजोव सागर और काला सागर को जोड़ती है।

6. जिब्राल्टर जलसंधि –

- भूमध्य सागर की कुंजी के नाम से प्रसिद्ध है।
- यूरोप और अफ्रीका को अलग करती है।
- भूमध्य सागर और अटलांटिक को जोड़ती है।

7. कील नहर –

- जर्मनी में स्थित।
- उत्तरी सागर व बाल्टिक सागर को जोड़ती है।

8. उत्तरी सागर –

- इस सागरीय क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार पाए जाते हैं।
- यहां डॉगर बैंक नामक मत्स्य केंद्र स्थित है।

एशिया महाद्वीप

☑ एशिया के पर्वत –



1. आसीर पर्वत – सऊदी अरब, यमन
2. पॉन्टीन तथा टौरस पर्वत –
 - तुर्की
 - टौरस से टिगरिस तथा यूफ्रेट्स नदियों का उद्गम।
3. अरारात पर्वत –
 - तुर्की की सबसे ऊँची चोटी
 - मृत ज्वालामुखी पर्वत
 - एलबुर्ज व जागरोस पर्वत श्रेणियों इसमें आकर मिलती है।
4. एलबुर्ज व जागरोस – ईरान
 - एलबुर्ज में स्थित देमावन्द चोटी पश्चिम एशिया की सबसे ऊँची चोटी है।
5. हिन्दूकुश पर्वत – अफगानिस्तान, पाकिस्तान
6. सुलेमान पर्वत – पाकिस्तान
7. साल्ट रेंज – पाकिस्तान
8. छगई पहाड़ियाँ – पाकिस्तान का परमाणु परीक्षण केंद्र

9. पामीर का पठार (विश्व की छत) – ताजिकिस्तान, किर्गीस्तान, अफगानिस्तान, चीन
- हिमालय, हिन्दूकुश, कुनलुनशान, तियनशान जैसे पर्वतों के जंक्शन पर स्थित

10. वृहत् खिगन
11. कुनलुन शान
12. तियनशान
13. अल्ताई पर्वत
14. सयान पर्वत
- } चीन

15. पुनचक जाया – इंडोनेशिया की सबसे ऊँची चोटी।

16. फ्यूजीयामा पर्वत –

- जापान की सबसे ऊँची चोटी।
- सक्रिय ज्वालामुखी चोटी।
- प्रशांत महासागरीय अग्निवलय का भाग।

17. अराकान योमा पर्वत –

- पश्चिम म्यांमार में स्थित नवीन वलित पर्वत
- निर्माण = इण्डो ऑस्ट्रेलियन तथा बर्मा प्लेट के अभिसरण से
- सबसे ऊँची चोटी = माउंट विक्टोरिया
- पूर्वांचल तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह इसी का भाग माने जाते हैं।

☑ एशिया के प्रमुख पठार –

1. अनातोलिया पठार –

- तुर्की में पॉन्टीन तथा टॉरस पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित अंतः पर्वतीय पठार
- शुष्क परिस्थितियाँ
- तुर्की की राजधानी अंकारा स्थित
- इसे 'एशिया माइनर' भी कहा जाता है।

2. ईरान का पठार –

- एलबुर्ज तथा जागरोस पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित अंतः पर्वतीय पठार
- शुष्क परिस्थितियाँ

3. पोतवार का पठार –

- पाकिस्तान में स्थित।
- पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद तथा रावलपिंडी (सैन्य अड्डा) स्थित।
- जीवाश्म ईंधन

4. तिब्बत का पठार –

- विश्व का सबसे बड़ा तथा ऊँचा पठार (4,500 मीटर)

- विश्व की छत।
- हिमालय पर्वत तथा कुनलुन शान पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित।
- हिमनद से नदियों का उद्गम = ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलज, यांगत्सी, सिकियांग, मेकोंग, साल्वीन नदी आदि।

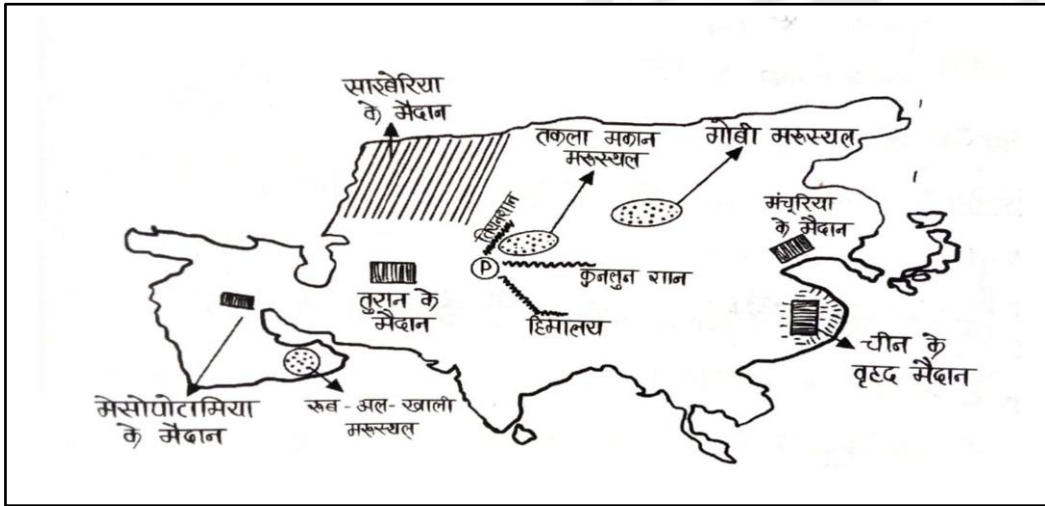
5. शान का पठार –

- म्यांमार में स्थित।
- खनिज – सीसा, जस्ता एवं चाँदी।
- साल्वीन नदी बहती है।

6. लोयस पठार – चीन।

7. उस्तयुर्त पठार – मध्य एशिया।

☑ एशिया के मैदान –



1. मेसोपोटामिया के मैदान –

- मुख्यतः ईराक में स्थित।
- जीवाश्म ईंधन।
- टिगरिस व यूफ्रेटस नदी के बेसिन में स्थित।
- विश्व की प्राचीनतम सभ्यता के विकास के कारण इसे 'सभ्यता का पालना' भी कहते हैं।

2. तुलुन के मैदान –

- मध्य एशिया में सिर दरिया व अमु दरिया नदी के बेसिन में स्थित।
- मरुस्थल = किजिल कुम एवं काराकुम

3. चीन के वृहत् मैदान – यांगत्सी व सिकियांग नदी के बेसिन में स्थित।

4. मंचुरिया के मैदान – चीन में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान। (लौह अयस्क के भंडार)

5. साइबेरिया के मैदान –

- रूस में यूराल पर्वत से लीना नदी तक विस्तृत।
- ओब, येनिसे, लीना नदियों के बेसिन में स्थित।
- अवसादी चट्टानों के कारण पथरीला मैदान, अतः कृषि हेतु उपयोगी नहीं है।

☑ एशिया के मरुस्थल –

1. रूब-अल-खली मरुस्थल –

- मुख्यतः सऊदी अरब में स्थित गर्म मरुस्थल।
- विश्व का सबसे बड़ा अर्ग मरुस्थल।
- यह अरब मरुस्थल का भाग है।
- इसमें जीवाश्म ईंधन मिलते हैं।

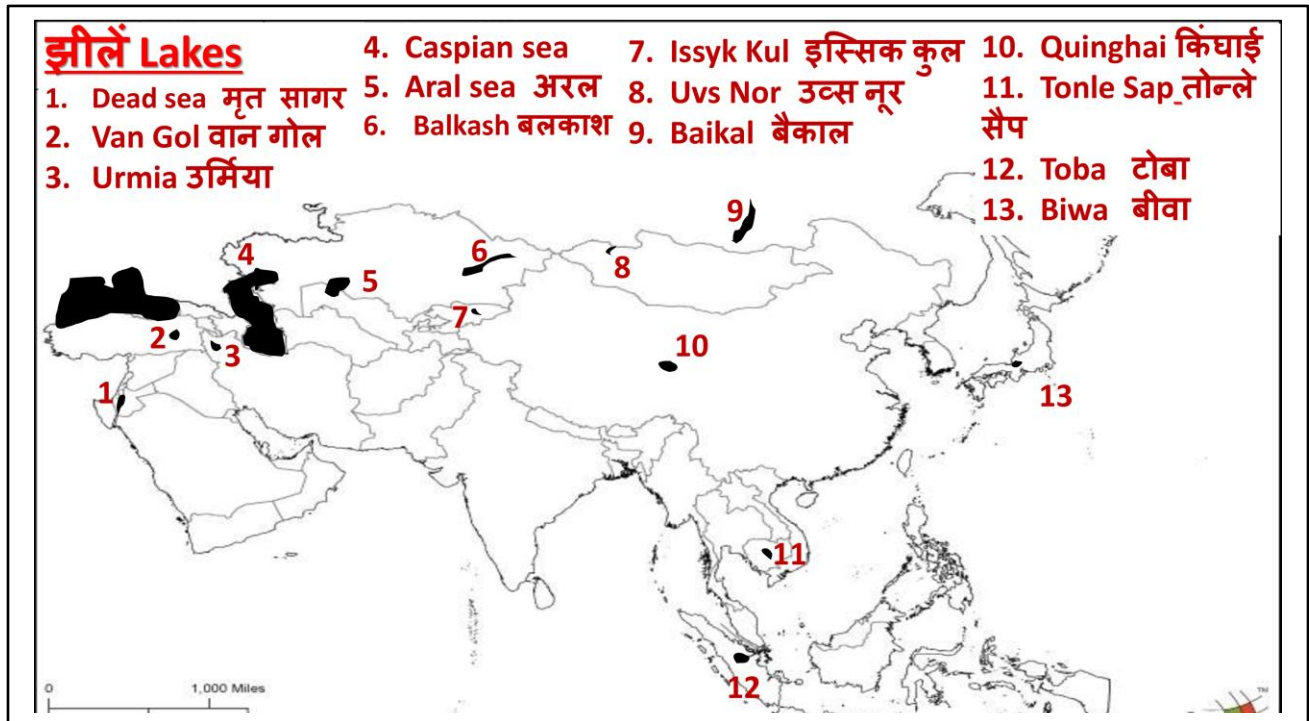
2. तकला मकान मरुस्थल –

- तियनशान तथा कुनलुनशान के बीच स्थित ठण्डा मरुस्थल।
- चीन के तारिम बेसिन में स्थित।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण निर्माण।
- विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अर्ग मरुस्थल।
- लोप नूर झील क्षेत्र में चीन का परमाणु केंद्र स्थित।

3. गोबी मरुस्थल –

- उत्तरी चीन व दक्षिणी मंगोलिया में स्थित ठंडा मरुस्थल।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण निर्माण।
- पथरीला मरुस्थल (हमादा का उदाहरण।)
- जीवाश्म व खनिज उपस्थित।

☑ एशिया की प्रमुख झीलें –



1. मृत सागर –

- इजरायल व जॉर्डन के सीमा क्षेत्र पर भ्रंश घाटी में स्थित।
- लवणीयता अधिक।
- घनत्व भी अधिक जिससे आसानी से तैरा जा सकता है।
- विश्व के स्थलीय भागों में सबसे निम्नतम बिन्दु पर स्थित। (403 मीटर)
- झील में जॉर्डन नदी का संगम।
- जॉर्डन नदी का जल सिंचाई आदि के लिए मोड़ने के कारण यह सिकुड़ रही है।

2. कैस्पियन सागर –

- विश्व की सबसे बड़ी लवणीय झील
- वोल्गा तथा यूराल नदियों का संगम
- झील किनारे देश = तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान, रूस, ईरान, कजाकिस्तान
- बाकू (अजरबैजान) = पेट्रोलियम भण्डार

3. इस्सिक कुल झील –

- किर्गिस्तान में स्थित विश्व की दूसरी सबसे बड़ी लवणीय झील।

4. अरल सागर –

- कजाखिस्तान तथा उज्बेकिस्तान के सीमा क्षेत्र पर स्थित मीठे पानी की झील।
- अमुदरिया तथा सिर दरिया नदियों का संगम।
- यह निरन्तर सिकुड़ता जा रहा है।

5. बैकाल झील –

- रूस में भ्रंश घाटी में स्थित
- विश्व की सबसे गहरी झील (1,642 मीटर)
- आयतन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील। (20 प्रतिशत भण्डार)
- विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित।

6. तोन्ले सैप झील –

- कंबोडिया में स्थित दक्षिण-पूर्वी एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
- मकोंग नदी की प्रमुख सहायक तोन्ले सैप नदी का उद्गम।
- विश्व के 36 जैवविविधता तप्त स्थल में सम्मिलित।

7. वान गोल झील – तुर्की में स्थित विश्व की सर्वाधिक लवणीय झील।

8. उर्मिया झील – ईरान की सबसे बड़ी लवणीय झील।

9. बल्काश झील – कजाखिस्तान की मीठे पानी की झील।

10. उत्स नूर झील – मंगोलिया की सबसे बड़ी लवणीय झील।

11. किंघाई झील – चीन की सबसे बड़ी लवणीय झील।

12. टोबा झील – इण्डोनेशिया में स्थित विश्व की सबसे बड़ी कॉल्डेरा झील।

13. बीवा झील – जापान की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।

☑ एशिया की नदियाँ –

1. तिगरिस एवं यूफ्रेटिस नदी –

- उद्गम – टॉरस पर्वत से।
- संगम – फारस की खाड़ी।
- मैसोपोटामिया मैदान।
- तिगरिस (दजला) किनारे = बगदाद शहर (ईराक)
- यूफ्रेटिस (फरात) = पश्चिम एशिया की सबसे लंबी नदी।
- ये ईराक में मिलती है जिसके बाद इन्हें 'शत-अल-अरब' (अरब की नदियाँ) कहा जाता है।

2. हेलमंद नदी –

- उद्गम – हिन्दूकुश पर्वत
- संगम – हामून पू झील
- अफगानिस्तान की सबसे लंबी झील
- बेसिन में अफीम की खेती की जाती।
- स्वर्णिम अर्द्ध-चंद्रमा = पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान

3. सिर दरिया एवं अमु दरिया –

- उद्गम – पामिर क्षेत्र
- संगम – अरल सागर

➤ रूस की नदियाँ –

4. ओब नदी –

- उद्गम – अल्ताई पर्वत से
- संगम – ओब की खाड़ी (कारा सागर)
- यह नदी नदमुख का निर्माण करती है।
- प्रमुख सहायक नदी = इर्तिश

5. येनिसी नदी –

- उद्गम – सयान पर्वत से
- संगम – येनिसे की खाड़ी
- नदमुख का निर्माण।
- प्रमुख सहायक नदी – अंगारा तथा तुंगस्का
- बेसिन में तेल के भण्डार

6. लीना नदी –

- उद्गम – बैकाल पर्वत से
- संगम – लेप्टेव सागर
- डेल्टा का निर्माण करती है।
- रूस की सबसे लंबी नदी
- बेसिन में सोने के प्लेसर निक्षेप

7. अमूर नदी –

- उद्गम – रूस-चीन के सीमा क्षेत्र से
- संगम – टार्टरी की खाड़ी
- रूस तथा चीन के बीच सीमा निर्धारण
- अन्य नाम – 'ब्लैक ड्रेगन नदी'

➤ चीन की नदियाँ –

8. हुंवांग-ही नदी –

- उद्गम – किंघाई प्रांत से।
- संगम – बोहाई की खाड़ी।
- एशिया की दूसरी सबसे लंबी नदी।
- विश्व में सर्वाधिक अवसाद लाने वाली नदी (बाढ़ की समस्या उत्पन्न) ('चीन का शोक')
- पीले रंग के अवसाद लाने के कारण इसे पीली नदी भी कहा जाता है।

9. यांग्सी नदी –

- उद्गम – तिब्बत का पठार
- संगम – पूर्वी चीन सागर
- एशिया की सबसे तथा विश्व की तीसरी सबसे लंबी नदी
- बाँध – 'श्री गॉर्जिस बाँध' (विश्व की सबसे बड़ी जल विद्युत उत्पादन परियोजना)
- बेसिन में लौह अयस्क तथा तेल के भंडार
- शहर – शंघाई, वुहान

नोट – बैहतन बाँध (चीन) –

- जिंशा नदी (यांग्सी की सहायक) पर बनाया हुआ है।
- यह बाँध विश्व की दूसरी सबसे बड़ी जल विद्युत उत्पादन परियोजना है।

10. सिकियांग नदी/पर्ल नदी –

- उद्गम – तिब्बत का पठार
- संगम – दक्षिण चीन सागर
- बेसिन में चावल की खेती की जाती

11. रेड नदी – नदी किनारे शहर = हनोई (वियतनाम) स्थित।

12. चाओ फ्राया नदी – नदी किनारे शहर = बैंकॉक (थाइलैंड) स्थित।

13. मैकांग नदी –

- उद्गम – तिब्बत का पठार
- संगम – दक्षिण चीन सागर
- दक्षिण-पूर्वी एशिया की सबसे लंबी नदी
- कंबोडिया में तोन्ले सैप नदी का संगम
- नदी किनारे – नाम पेन्ह (कंबोडिया), विएन्तिएन (लाओस) शहर स्थित

➤ स्वर्णिम त्रिभुज –

- म्यांमार, लाओस, थाईलैंड
- अफीम की खेती की जाती है।
- अफीम की तस्करी की जाती है।

14. साल्वीन नदी –

- उद्गम – तिब्बत का पठार
- संगम – मर्तबान की खाड़ी
- म्यांमार तथा थाईलैंड के बीच सीमा निर्धारण
- शान के पठार पर बहाव

15. इरावदी नदी –

- हिमालय से निकलने वाली विभिन्न (अण्डमान सागर) धाराओं के मिलने से उद्गम।
- पेगुयोमा तथा अराकानयोगा पर्वतों के बीच बहाव।
- पूर्ण रूप से म्यांमार में बहने वाली सबसे लंबी नदी।
- किनारे शहर = यांगुन/रंगुन।
- प्रमुख सहायक नदी = चिन्दविन।

16. सुरमा नदी –

- बांग्लादेश की प्रमुख नदी
- अन्य नाम = बराक नदी (मणिपुर)
- अन्य धाराओं के साथ मिलकर मेघना नदी का निर्माण करती है।
- तिपाईमुख परियोजना का भारत तथा बांग्लादेश द्वारा सम्मिलित रूप से विकास।

☑ एशिया के औद्योगिक क्षेत्र –

1. चीन –

- लौह एवं इस्पात – मुकदेन त्रिभुज (मंचुरिया मैदान), शेंयांग, फुशबन, अनशान।
- सूती वस्त्र उद्योग – शंघाई, केन्टन।
- वस्त्र उद्योग – बिजिंग।
- कोयला – शानसी, शांझी, शानडोंग।
- टिन – यूनान।

2. जापान –

- ऑटोमोबाइल, जलपोत – टोक्यो, योकोहामा, कावासाकी / कैहिन प्रदेश / कान्टो / क्वान्टो प्रदेश।
- ऑटोमोबाइल, एयरक्राफ्ट – नगोया प्रदेश।
- सूती वस्त्र उद्योग – ओसाका (जापान का मैनचेस्टर), कोबे प्रदेश / किन्की प्रदेश।
- लौह एवं इस्पात, जलपात – यवाता- नागासाकी प्रदेश / कीटो-क्यूशू प्रदेश।

3. पाकिस्तान –

- सूती वस्त्र उद्योग – लाहौर, मुल्तान, कराची।
- कागज उद्योग – नौशेरा।
- कोयला उद्योग – क्वेटा।

4. ईरान –

- ऑयल क्षेत्र – लाली।

5. ईराक –

- ऑयल क्षेत्र – किरकुक।

ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप

☑ ऑस्ट्रेलिया के पर्वत –

1. ग्रेट डिवाइडिंग श्रेणी –

- ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी भाग में स्थित प्राचीन वलित पर्वत।
- स्नोई पर्वतीय क्षेत्र में सबसे ऊँची चोटी = कॉस्कुइस्को
- पूर्वी ढाल पर भारी वर्षा
- नदियाँ = मर्रे, डार्लिंग, मरूमबिजी



2. पश्चिमी पठारी क्षेत्र –

- ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित
- पुराना पठारी प्रदेश।
- यह लगभग दो तिहाई भाग में विस्तृत है।
- शील्ड का उदाहरण
- शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है।
- खनिज –
 - पिलबारा – लौह अयस्क
 - कूलगार्डी, कालगुरली – सोना
 - किम्बर्ली – हीरा
 - डार्विन – यूरेनियम

• मरुस्थल –

- ग्रेट सेंडी
- लिटिल सेंडी
- ग्रेट विक्टोरिया
- गिब्सन
- तनामी
- सिम्पसन
- स्टुअर्ट स्टोनी



- लवणीय झीलें – डिसएप्वाइंटमेंट झील (मकर रेखा)
- विशालतम एकल चट्टान – आयर रॉक (उलूरू)

☑ मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश –

1. ग्रेट आर्टिसन बेसिन –

- विश्व का सबसे **बड़ा** आर्टिसन बेसिन।
- जब जल दो अपारगम्य चट्टानों के बीच अत्यधिक उच्च दाब परिस्थितियों में स्थित होता है तो कमजोर स्थल पाकर जल स्वतः सतह से बाहर निकलता है।
- इसमें जल का पुनर्भरण पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र से होता है तथा पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में निकलता है।
- अन्य नाम = पाताल तोड़ कुआँ/उत्खुत कूप।

2. मर्रे-डार्लिंग बेसिन –

- ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी-पूर्वी भाग में स्थित मैदानी प्रदेश।
- मर्रे तथा उसी सहायक नदियों द्वारा निर्माण।
- कृषि के लिए उपयोगी (ऑस्ट्रेलिया का खाद्यान्न का कटोरा।)
- 'डाऊंस' नामक शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान स्थित।

3. नल्लारबोर के मैदान –

- ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग में स्थित मैदान
- अर्द्ध-शुष्क परिस्थितियाँ इसलिए छोटे पेड़-**पौधों** का विकास
- चूना पत्थर की चट्टाने
- पथरीला क्षेत्र
- कृषि के लिए उपयोगी

➤ आयर्रे झील –

- ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी लवणीय झील
- ऑस्ट्रेलिया का निम्नतम बिन्दु स्थित
- अंतः स्थलीय अपवाह तंत्र
- नया नाम = काटी ठण्डा

➤ वृहत् बैरियर भित्ति –

- ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के पास कोरल सागर में स्थित प्रवाल भित्ति।
- विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति वाला क्षेत्र।
- जैव विविधता एवं पर्यटन



☑ न्यूजीलैंड –

1. दक्षिणी आल्प्स –

- न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप पर स्थित नवीन वलित पर्वत।
- सबसे ऊँची चोटी = माउंट कुक

2. कैंटरबरी मैदान –

- दक्षिणी आल्प्स के दक्षिण में स्थित शीताष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
- इनके कारण डेयरी उद्योग के लिए विख्यात है।

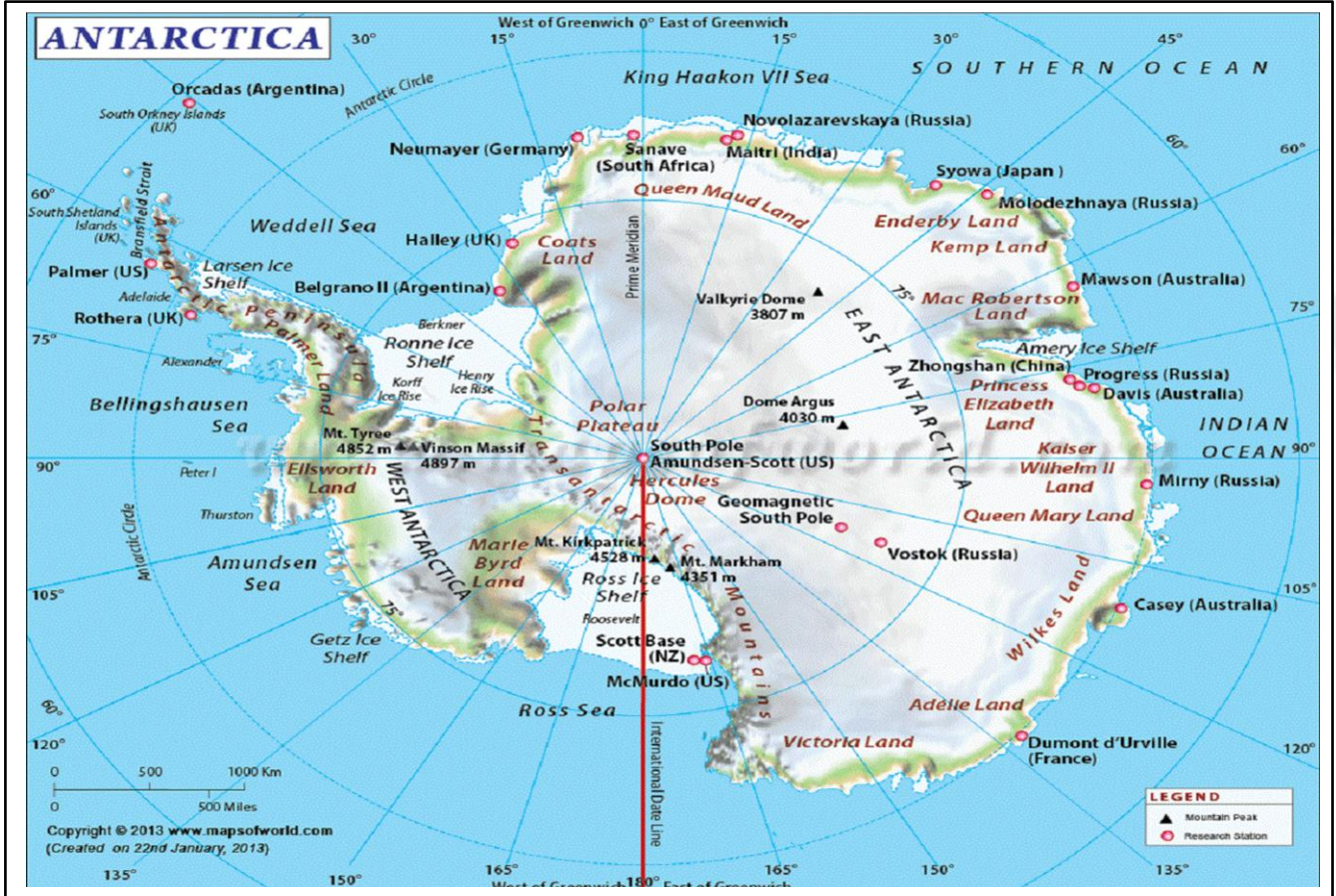
3. तापू झील –

- उत्तरी द्वीप पर स्थित कॉल्डेरा झील
- न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी झील
- मीठे पानी की झील

4. वैकाटो नदी –

- उत्तरी द्वीप पर स्थित न्यूजीलैंड की सबसे लंबी नदी।

अंटार्कटिक महाद्वीप



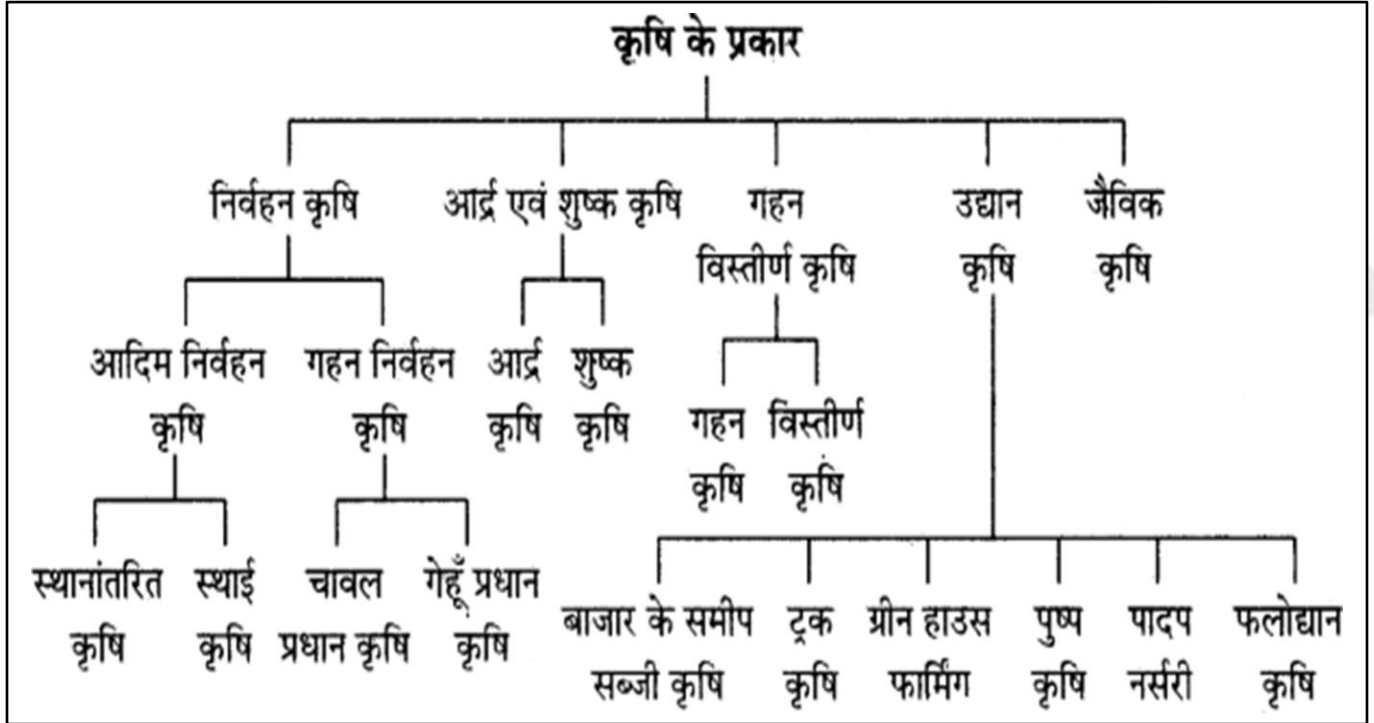
☑ ट्रांस अंटार्कटिक पर्वत –

- अंटार्कटिका के मध्य भाग में वेडेल सागर से रॉस सागर तक विस्तृत।
- विश्व की तीसरी सबसे लंबी पर्वत श्रेणी।
- एल्सवर्थ पर्वत में अंटार्कटिका की सबसे ऊँची चोटी = माउंट विंसन मैसिफ
- यह महाद्वीप को भागों में बांटता है = वृहत् अंटार्कटिका व लघु अंटार्कटिका।

नोट –

- विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल = अंटार्कटिक (पोलर आइस एवं दुड़ा)
- विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मरुस्थल = आर्कटिक (पोलर आइस एवं दुड़ा)
- वॉसटोक (रूस) में निम्नतम तापमान रिकॉर्ड किया जाता है।

कृषि के प्रकार



☑ गहन जीवन निर्वाह कृषि –

- मानसून एशिया के घनी आबादी वाले देशों में। (दक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी, पूर्वी एशिया)
- अधिक जनसंख्या घनत्व तथा खेतों का आकार छोटा।
- भूमि का गहन उपयोग जिससे वर्ष में दो या अधिक फसलें प्राप्त की जाती।
- मानव श्रम पर अधिक बल।
- प्रति हैक्टेयर उपज अधिक तथा प्रति व्यक्ति उपज कम।
- मुख्यतः खाद्यान्न फसलों का उत्पादन – गेहूँ एवं चावल।

1. चावल प्रधान निर्वाह कृषि –

- वर्षा = 100 सेंटीमीटर से अधिक
- विस्तार – भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, इण्डोनेशिया, कंबोडिया, थाइलैंड, दक्षिणी व मध्य चीन।

2. गेहूँ प्रधान निर्वाह कृषि –

- वर्षा = 100 सेंटीमीटर से कम
- विस्तार – उत्तरी मध्य व पश्चिमी भारत, उत्तरी चीन, पाकिस्तान, कोरिया।

☑ आदिम निर्वाह कृषि –

1. स्थानांतरण कृषि –

- उष्णकटिबंधीय वन क्षेत्रों (अमेजन बेसिन, कांगो बेसिन, दक्षिण पूर्वी एशिया) में आदिम जनजातियों द्वारा।
- अन्य नाम = 'कर्तन एवं दहन कृषि'
- भारी वर्षा तथा वनस्पति के तीव्र पुनर्जनन वाले क्षेत्रों में।
- मुख्य फसल = मक्का, ज्वार, आलू, बाजरा।

क्र.सं.	कृषि क्षेत्र	कृषि का क्षेत्रीय नाम
1.	मैक्सिको, जिम्बावे, मध्य अमेरिका	मिल्पा
2.	ब्राजील	रोका
3.	इन्डोनेशिया, मलेशिया	लदांग
4.	श्रीलंका	चेन्ना
5.	थाइलैंड	तमराई
6.	म्यांमार	तुग्या / टांग्या
7.	वियतनाम	रे
8.	वेनेजुएला	कोनुको
9.	मध्य अफ्रीका	मसोल / मासोल
10.	पश्चिमी अफ्रीका	लोगन
11.	भूमध्यरेखीय अफ्रीका	फंग
12.	मेडागास्कर	तावी
13.	जावा व सुमात्रा	हुमा
14.	फिलीपिंस	कैंगीन
15.	नॉर्थ ईस्ट इंडिया	झूम

2. चलवासी पशुचारण कृषि –

- जल व चारे की प्राप्ति के लिए पशुचारण
- दक्षिण पश्चिम एशिया, सहारा = ऊँट
- अरब प्रायद्वीप, ईरान, ईराक, अफगानिस्तान = भेड़, बकरी, गाय, घोड़े, गधे, खच्चर।
- मध्य एशिया, तिब्बत, एंडिज, = याकू, लामा
- टुंड्रा प्रदेश = रैंडियर, कैरिबू पालन
- राजस्थान, जम्मू व कश्मीर

☑ वाणिज्यिक कृषि –

1. वाणिज्यिक पशुधन पालन/पशुचारण –

- शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों में
- डेनमार्क, न्यूजीलैंड = दूध
- ऑस्ट्रेलिया = दूध व ऊन
- अमेरिका = दूध, व मांस उत्पादन
- अर्जेंटीना, उरूग्वे

नोट – ऑस्ट्रेलिया में भेड़ पालन केंद्रों पर काम करने वाले मजदूर 'जेकारू' कहलाते हैं।

2. विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि –

- विकसित देशों में शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों में।
- प्रति हैक्टेयर उपज कम तथा प्रति व्यक्ति उपज अधिक।
- मुख्य फसल = गेहूँ
- अन्य फसलें = मक्का, जौ

3. मिश्रित कृषि –

- फसल उत्पादन व पशुपालन
- विस्तार – अमेरिका का पूर्वी भाग, उत्तरी-पश्चिमी, यूरेशिया के कुछ भाग, दक्षिण महाद्वीपों के शीतोष्ण अक्षांशों वाले भाग
- शस्यावर्तन एवं अंतः फसली कृषि मृदा की उर्वरता को बनाये रखने में सहायक।
- भारी पूँजी निवेश।
- यह महानगरों के समीप की जाती है।

4. रोपण या बागानी कृषि –

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उपनिवेश काल में यूरोपीय लोगों द्वारा विकास।
- भारी पूँजी निवेश व बड़ी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता।
- एक फसली कृषि।

➤ ब्रिटिश –

- भारत व श्रीलंका = चाय
- मलेशिया = रबड़
- वेस्टइंडीज = गन्ना व केला

➤ फ्रांसीसी –

- पश्चिमी अफ्रीका = कॉफी व कोकोवा

➤ अमेरिकी –

- फिलीपिंस = नारियल व गन्ना

➤ यूरोपीय –

- ब्राजील = कहवा (कॉफी)

5. भू-मध्य सागरीय कृषि –

- भूमध्य सागरीय क्षेत्रों में अंगूर, नारंगी, संतरा, निबू, जैतून जैसे खट्टे फलों की कृषि।
- विस्तार – भूमध्य सागर के दोनों ओर, उत्तरी अफ्रीका में ट्यूनिशिया से अटलांटिक तट तक, मध्यवर्ती चिली, दक्षिण अफ्रीका एवं ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण पश्चिम भाग।

6. ट्रक फार्मिंग –

- साग सब्जियों को प्रतिदिन ट्रकों में भरकर निकटवर्ती नगरों में आपूर्ति।
- ट्रक द्वारा रात भर में तय की गई दूरी पर।
- सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा शुरू।

7. फलोद्यान कृषि –

- फल एवं फूलों की कृषि
- उष्णकटिबंधीय क्षेत्र = केला, आम, नारियल
- शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र = सेब, नाशपती
- भूमध्यसागरीय क्षेत्र = खट्टे फल
- भारत = गुलाब, गेंदा

नोट – नीदरलैंड, फूलों के उत्पादन के लिए विख्यात। (मुख्यतः ट्यूलिप)

8. कारखाना/डेयरी कृषि –

- पशुपालन (गाय, बैल, कुक्कुट)
- कारखानों में तैयार भोजन, पशुचिकित्सा आदि की व्यवस्था।
- विस्तार = पश्चिमी यूरोप व उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र में।

☑ कृषि करने वाले संगठन के आधार पर कृषि के प्रकार –

1. सहकारी कृषि –

- व्यक्तिगत फार्म अक्षुण्ण रहते हुए सहकारी संस्था के माध्यम से कृषि।
- सहकारी संस्था द्वारा कृषि कार्यों के लिए आवश्यक खरीद, कृषि उत्पादों को उचित मूल्य पर बेचने, सस्ती दरों पर प्रसंस्करण साधनों को जुटाने की व्यवस्था की जाती है।
- सहकारी आन्दोलन एक शताब्दी पूर्व प्रारम्भ हुआ।
- यह डेनमार्क में सर्वाधिक सफल रहा।

2. सामूहिक कृषि –

- उत्पादन के साधनों पर सम्पूर्ण समाज का स्वामित्व तथा सामूहिक श्रम।
- सर्वप्रथम सोवियत संघ में शुरुआत।
- सोवियत संघ में सामूहिक कृषि का नाम = 'कोलखहोश/कोलखोज'